May 2023

Monthly Magazine
Year 9 Issue 5

Satyug

नारायण रेकी सतसंग परिवार

In Giving We Believe

सतयुग

हमारा उद्देश्य

"हर इंसान तन, मन, धन व संबंधों से स्वस्थ हो
हर घर में सुख, शांति समृद्धि हो व
हर व्यक्ति उन्नति, प्रगति व सफलता प्राप्त करे।"

वुधवार सतसंग

प्रत्येक वुधवार प्रात ११ वजे से ११.३० वजे तक

फेसवुक लाइव पर

सतसंग में भाग लेने के लिए नारायण रेकी सतसंग परिवार के फेसवुक पेज को ज्वाइन करें और सतसंग का आनंद लें।

नारायण गीत

नारायण-नारायण का उद्‌घोष जहाँ
राम राम मधुर धुन वहाँ
सबको खुशियाँ देता अपरम्पार,
जीवन में लाता सबके जो बहार
खोले, उन्नति, प्रगति, सफलता के द्वार,
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
हमारा एन.आर.एस.पी., प्यारा एन.आर.एस.पी.
प्यार, आदर, विश्वास बढ़ाता
रिश्तों को मजबूत बनाता, मजबूत बनाता
परोपकार का भाव जगाता
सच्चाई, नम्रता सेवा में विश्वास बढ़ाता
सत को करता अंगीकार
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
मुस्कान के राज बताता,
तन, मन, धन से देना सिखलाता
हमको जीना सिखलाता
घर-घर प्रेम के दीप जलाता
मन क्रम से जो हम देते वही लौटकर आता, वही लौटकर आता
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
एन.आर.एस.पी.,एन.आर.एस.पी.

।।卐।।

पावन वाणी

प्रिय नारायण प्रेमियों,

।। नारायण नारायण ।।

एक इंटरव्यू के दौरान किसी ने मुझसे पूछा, 'आप जीवन के जिस मुकाम पर हैं, वहाँ पहुंचकर किस बात पर आपको सबसे अधिक संतोष होता है?' सच कहूँ तो मुझे जीवन में सबसे अधिक संतोष इस बात का है कि, मैंने सदैव समय का सदुपयोग किया है । जब हम छोटे थे तो हमारे पिताजी ने हमें सदैव समय का सदुपयोग करना सिखाया। हम कोई भी कार्य करते समय भी राम–राम का सिमरन किया करते थे, जो आज भी निरंतर जारी है। मैंने अपनी सासू माँ को देखा, वह घर के सदस्यों से बात करते हुए कभी ड्रावर साफ कर लिया करती थीं, कभी कपड़ों को इस्त्री कर लिया करती थीं, उनको देख कर यह आदत हमारे भीतर भी आ गई।

दुनिया भर के सफल व्यक्तियों की सफलता का रहस्य है समय का अधिकतम सदुपयोग। ईश्वर ने सभी को एक समान समय दिया है। सफल व्यक्ति इसका उचित प्रबंधन करते हैं और सर्वोत्तम लाभ ले पाते हैं। हम यदि समय की कद्र करते हैं तो जब हमें समय की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, तब समय हमारी कद्र करता है और हमारे कार्य आसानी से हो जाते हैं और हम यह सोचते रह जाते हैं कि इतने कम समय में जो कार्य पूरा होना असंभव लग रहा था वो भी पूरा हो गया। समय एक अमूल्य संपदा है। यह एक ऐसा धन है जो अधिक उपयोग से बढ़ता है। यदि आप दूसरों से बेहतर बनना चाहते हैं तो बस समय का सदुपयोग करना शुरू कर दीजिए । एक–एक पल का एक–एक क्षण का सदुपयोग करें।

मुझे कबीरदास जी की यह पंक्तियाँ बहुत पसंद हैं, **'काल करे सो आज कर आज करे सो अब'।**

मेरी यह चाहना और यह कामना, आप सब भी इन पंक्तियों को अपने जीवन में उतारें और सफल व्यक्तियों की श्रेणी में खड़े हो जाएँ।

R. Modi

-: संपादिका :-

संध्या गुप्ता

09820122502

-: प्रधान कार्यालय :-

राजस्थानी मं डल कार्या लय
बेसमेंट रजनीगं धा बिल्डिं ग, कृ ष्ण वाटिका मार्ग ,
गोकुल धाम, गोरेगां व (ई), मुं बई - ४०० ०६३.

-: क्षेत्रीय कार्यालय :-

अहमदाबाद	जैविनी शाह	: 9712945552
आगरा	अंजनामित्तल	: 9368028590
अकोला	रिया / शोभा अग्रवाल	: 9075322783/ 9423102461
अमरावती	तरुलता अग्रवाल	: 9422855590
बैंगलोर	शुभांगी अग्रवाल	: 9341402211
बैंगलोर	कनिष्का पोद्दार	: 7045589451
बड़ोदा	दीपा अग्रवाल	: 9327784837
भंडारा	गीता शारडा	: 9371323367
भीलवाड़ा	रेखा चौधरी	: 8947036241
बस्ती	पूनम गाड़िया	: 9839582411
भोपाल	रेनूगड्डानी	: 9826377979
बीना (मध्यप्रदेश)	रश्मि हुरकट	: 9425425421
बनारस	अनीता भालोटिया	: 9918388543
दिल्ली (पश्चिम)	रेनू विज	: 9899277422
दिल्ली (पूर्व)	मीनू कौशल	: 9717650598
दिल्ली (प्रीतमपुरा	मेघा गुप्ता	: 9968696600
धुले	कल्पना चौरोडिया	: 9421822478
डिब्रूगढ	निर्मलाकेडिया	: 8454875517
धनबाद	विनीता दुधानी	: 9431160611
देवरिया	ज्योति छापरिया	: 7607004420
गुवाहाटी	सरला लाहौटी	: 9435042637
गुडगाँव	शीतल शर्मा	: 9910997047
गोंदिया	पूजा अग्रवाल	: 9326811588
गाजियाबाद	करुणा अग्रवाल	: 9899026607
गोरखपुर	सविता नांगलिया	: 9807099210
हैदराबाद	स्नेहलता केडिया	: 9247819681
हरियाणा	चन्द्रकला अग्रवाल	: 9992724450
हींगन घाट	शीतल टिबरेवाल	: 9423431068
इंदौर	धनश्री शिरालकर	: 9324799502
इचलकरंजी	जयप्रकाश गोयनका	: 9422043578
जयपुर	सुनीता शर्मा	: 9828405616
जयपुर	प्रीती शर्मा	: 7877339275
जालना	रजनी अग्रवाल	: 8888882666
झुंझुनू	पुष्पा टिबरेवाल	: 9694966254
जलगाँव	कला अग्रवाल	: 9325038277
कानपुर	नीलम अग्रवाल	: 9956359597
खामगांव	प्रदीप गरोदिया	: 8149738686
कोल्हापुर	जयप्रकाश गोयनका	: 9422043578
कोलकत्ता	सी .एसंगीता चांडक	: 9330701290
कोलकत्ता	श्वेता केडिया	: 9831543533
मालेगांव	आरती चौधरी/रेखा गरोडिया	9673519641/ 9595659042
मोरबी (गुजरात)	कल्पना जोशी	: 8469927279
नागपुर	सुधा अग्रवाल	: 9373101818
नांदेड	चंदा काबरा	: 9422415436
नासिक	सुनीता अग्रवाल	: 9892344435
नवलगढ़	ममता सिंगरोडिया	: 9460844144
पिछौरा	स्मिता मुकेश भरतिया	: 9420068183
परतवाडा	राखी अग्रवाल	: 9763263911
पूना	आभा चौधरी	: 9373161261
पटना	अरबिंद कुमार	: 9422126725
पुरुलिया	मृदु राठी	: 9434012619
रायपुर	अदिति अग्रवाल	: 7898588999
रांची	आनंद चौधरी	: 9431115477
रामगढ़	पूर्वी अग्रवाल	: 9661515156
राउरकेला	उमा देवी अग्रवाल	: 9776890000
शोलापुर	सुवर्णा बल्दावा	: 9561414443
सूरत	रंजना गाडिया	: 9328199171
सीकर	सुषमा अक्षवाल	: 9320066700
सिलीगुड़ी	आकांक्षा मुंधडा	: 9564025556
विशाखापत्तनम	मंजू गुप्ता	: 9848936660
उदयपुर	गुणवती गोयल	: 9223563020
विजयवाड़ा	किरण डंवर	: 9703933740
वर्धा	अन्नपूर्णा	: 9975388399
यवतमाल	वंदना सूचक	: 9325218899

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

।। नारायण नारायण ।।

बात उन दिनों की है जब मैं नारायण रेकी सतसंग परिवार से नई–नई जुड़ी थी । दीदी के छोटे बेटे का विवाह था । विवाह के अगले दिन बुधवार था जो हमारे साप्ताहिक सतसंग का दिन था । मुझे लगा था कि आज सतसंग नहीं होगा क्योंकि ब्रह्म मुहूर्त तक विवाह के सभी कार्यक्रम संपन्न हो पाए थे । मेरे आश्चर्य की सीमा न रही जब नियत समय पर दीदी और पूरा परिवार नवविवाहित जोड़े के साथ ब्लेसिंग्स के लिए सतसंग में पहुंचा । समय का ऐसा सदुपयोग ऐसा प्रबंधन देख कर आँखें आश्चर्य से खुली रह गईं । मन ही मन ठाना कि बस ऐसा ही समय प्रबंधन और समय का सदुपयोग सीखना है ।

आप सब भी समय का सदुपयोग करेंगे और जीवन को सप्त सितारा बनाएंगे इन शुभकामनाओं के साथ –

आपकी अपनी
संध्या गुप्ता

अंतरर्राष्ट्रीय कार्यालय :

नेपाल	रिचा केडिया	977985-1132261
आस्ट्रेलिया	रंजना मोदी	61470045681
बैंकाक	गायत्री अग्रवाल	66897604198
कनाडा	पूजा आनंद	14168547020
दुबई	विमला पोद्दार	971528371106
शारजहा	शिल्पा मांजरे	971501752655
जकार्ता	अपेक्षा जोगनी	9324889800
लन्दन	सी.ए. अक्षता अग्रवाल	447828015548
सिंगापुर	पूजा गुप्ता	6591454445
डबलिनओहियो अमेरिका	स्नेह नारायण अग्रवाल	1-614-787-3341

आपके विचार सकारात्मक सोच पर आधारित आपके लेख, काव्य संग्रह आमंत्रित है - सतयुग को साकार करने के लिये/आपके विचार हमारे लिये मूल्यवान हैं । आप हमारी कोशिश को आगे बढ़ाने में हमारी मदद कर सकते है । अपने विचार उदगार, काव्य लेखन हमें पत्र द्वारा, ई-मेल द्वारा भेज सकते हैं ।
हमारा ई-मेल है 2014satyug@gmail.com

we are on net

narayanreikisatsangparivar *@narayanreiki*

प्रकाशक : नारायण रेकी सतसंग परिवार
मुद्रक : श्रीरंग प्रिन्टर्स प्रा. लि. मुंबई.
Call : 022-67847777

सतयुग का शंखनाद

किसी भी गतिशील तत्व के एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु तक जाने के अंतर को समय कहते हैं । इसे घड़ी से मापा जाता है । सृष्टि का सबसे मूल्यवान चक्र समय है जो निरंतर, अथक घूमता ही रहता है । समय का ना कोई आदि है, ना अंत । यह सृष्टि का एक ऐसा उपहार है जो सबको बिल्कुल एक समान मिला है, न कम-न ज़्यादा । हर किसी के पास दिन भर के २४ घंटे ही हैं । समय बहुत ही बलवान है । ना तो इसे बढ़ाया जा सकता है, ना बनाया जा सकता है । मनुष्य जीवन में समय ही ऐसा आयाम है जिसमें सभी लोग जीते हैं । यह हमारे जीवन काल में होने वाले हर कार्य को प्रभावित करता है । समय किसी का इंतज़ार नहीं करता । यह एक ऐसी बेशकीमती चीज़ है जिसे दुनिया भर की पूरी दौलत से भी खरीदा नहीं जा सकता । जो लोग समय के महत्व को समझते हैं वो अपने जीवन में सफलता के शिखर पर पहुंचते हैं ।

प्रकृति के नियमानुसार हर कार्य समय से होता है । नियत समय पर सूर्य निकलता है नियत समय पर चांद आता है । दिन–रात का होना, ऋतुओं का आना-जाना सब समयानुसार होता है । यदि आप समय का सही सदुपयोग करते हैं तो आप स्व: उन्नति के साथ - साथ समाज और देश की उन्नति के कारक बनते हैं । मनुष्य के जीवन में समय की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है । वह व्यक्ति जो समय के महत्व को समझते हैं वही इसका सही उपयोग करके प्रगति के पथ पर अग्रसर रहते हैं । परंतु दूसरी तरफ वे लोग जो समय के महत्व की अनदेखी करते हैं, वे कभी भी अपने जीवन का मूल्य नहीं जान पाते हैं । वे अंततः जीवन में पछतावा करते हुए नज़र आते हैं, तब पछतावे के अलावा उनके पास कुछ नहीं रहता ।

समय हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और समय के बिना तो जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। अगर समय रुक जाएगा तो यह सम्पूर्ण प्रकृति चक्र ही रुक जाएगा । समय जीवन का आधार है, तो उन्नति तथा अवनति का परिणाम भी है । इसलिए जीवन का मूल मंत्र है समय के साथ चलना और समय के महत्व को समझना।सफल लोग दुनिया में अलग काम नहीं करते, वो बस उस काम को अलग तरीके से करते हैं, वे लोग अपने समय के प्रत्येक हिस्से को ज़रूरी कामों में इस्तेमाल करते हैं । अगर आप भी अपने जीवन में कुछ बनना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें और समय का सदुपयोग करते हुए उसी के अनुरूप कार्य करें । समय का महत्व पूरे संसार के जीव जंतुओं और मनुष्यों के लिए एक ही है, क्योंकि समय ही एक ऐसी वस्तु है, जिसे आप एक बार खो देते हैं, तो किसी भी कीमत पर उसे दोबारा प्राप्त नहीं कर पाते ।

ये बात तो हम सभी लोग जानते हैं कि समय सफलता की कुंजी है, लेकिन हमारे जीवन की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपने समय का उपयोग किस प्रकार कर रहे हैं। समय के सदुपयोग के लिए आवश्यक है कि समय का उचित प्रबंधन किया जाए । इसके लिए कुछ उपाय–

*** सादा जीवन उच्च विचार**

हमारा जीवन जितना सादा , जितना सरल होगा, हमारे पास उतना ही समय होगा ।

*** योजना बनाना**

पूरे दिन भर में हम कौनसा काम कब करेंगे, किस कार्य को कितना समय देंगे, कार्य को कैसे करेंगे, इन सब चीज़ों की योजना दिन शुरू होने से पहले अर्थात् रात को सोने से पहले यदि आने वाले कल के समय के सर्वोत्तम

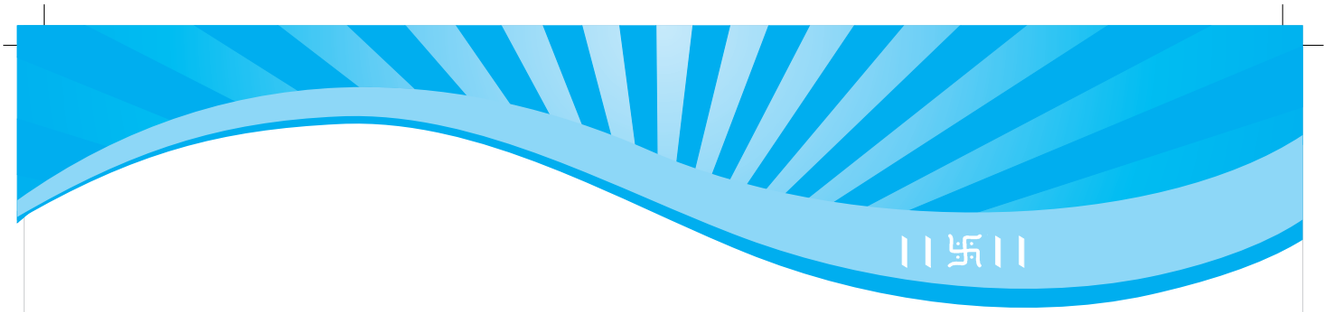

सदुपयोग की योजना बना ली जाए तो हर एक पल को हर एक क्षण को सर्वोत्तम तरीके से, बड़ी ही सहजता और कुशलता के साथ जिया जा सकता है।

***दिन की शुरुआत जल्दी करना**

सुबह जल्दी उठने से हम स्वयं को तरोताज़ा महसूस करते हैं। सुबह का शांत वातावरण आपके मन को प्रसन्नचित्त व आनंदित रखता है, ऐसे में आपके कार्यों का निष्पादन कम समय में हो जाता है और आपको अन्य कार्यों को करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है।

प्रत्येक काम का समय निश्चित करें, अपने पास एक घड़ी रखें। निश्चित समय पर कार्य करने से आप रोज़मर्रा के जीवन में होने वाली भागमभाग से बच सकते हैं। समय पर काम करना इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि बीता हुआ समय लौट कर वापस फिर कभी नहीं आता। दीदी द्वारा बताया गया– 'समाधान विजिट आवर' समय के सही उपयोग का एक उत्तम तरीका है।

कैलेंडर और ऑर्गनाइज़र का प्रयोग कार्य को व्यवस्थित तरीके से करने के लिए प्रेरित करता है। अपने कामों की चैक लिस्ट बनाएं और जो काम होते जाएँ उन पर टिक करते जाएँ और हरा स्टार लगाकर स्वयं को शाबाशी भी दें।

ज़िम्मेदारियों को सौंपना समय प्रबंधन और समय के सर्वोत्तम प्रयोग के लिए अति आवश्यक है। जीवन की प्राथमिकताएं निर्धारित करना और उनके अनुरूप समय निर्धारित कर एक योजना से कार्य करना, समय के सदुपयोग का बेहतरीन उपाय है। हर कार्य के लिए एक समय नियत करना और उस नियत समय में उस कार्य को पूरा करने की आदत डाल कर हम समय का अधिकतम और सर्वोत्कृष्ट उपयोग कर सकते हैं। बैंजामिन फ्रेंकलिन ने कहा है, 'समय बर्बाद मत करो क्योंकि समय ही जीवन है।' समय का वही हिस्सा आपका होता है जिसका आप सदुपयोग करते हैं। ध्यान और मन को भटकाने वाली वस्तुओं जैसे मोबाइल, फेसबुक, व्हाट्सएप जैसी चीज़ों से दूर रहें। टालमटोल की आदत को त्यागें ताकि आप लास्ट मोमेंट क्राइसिस से बच सकें। महत्वपूर्ण कार्यों को तुरंत करने की आदत विकसित करें। राज दीदी कहती हैं, आप अपने एक एक मिनट का ध्यान रखो, घंटे आपका ध्यान खुद़ रख लेंगे।

अपने कार्य को सहयोगियों और सहायकों में बांटें। इससे आप उचित समय में काम का उचित निष्पादन कर पाते हैं। स्वयं को सेल्फ मोटिवेटेड रखें। सेल्फ मोटिवेशन आपको उत्साह से भरपूर रखेगा। आप आलस से दूर रहेंगे और हर पल का सदुपयोग आपके जीवन की प्राथमिकता बन जाएगी। मोटिवेशनल लेखक प्रमोद बत्रा की MISER तकनीक को अपनायें।

*** M यानी merge *(मिलाना) ।**

कोई भी दो काम एक दूसरे के साथ मिलाए जा सकते हैं। जैसे आपको संगीत सुनने का शौक़ है और आप आराम भी करना चाहते हैं; तो आप रिलैक्स करते समय अपनी पसंद का संगीत सुनें। अपनी पसंद के गाने गुनगुनायें। इससे आप उत्साह से भरपूर रहेंगे और समय की बचत भी होगी।

I यानी Improvement (सुधार)

खुद से पूछें– मैं कैसे इस कार्य में सुधार कर सकता हूँ ? अगर हम ९ से ५ की बजाय ५ से ९ काम करने का कॉन्सेप्ट अपनायें तो कैसा रहे? सफल लोगों के जीवन का सवेरा औसत इंसान से ज़्यादा जल्दी होता है। सुबह की जल्दी शुरुआत उनके रूटीन का हिस्सा होता है।

***S यानी कार्य को सिंपल या सरल बनाना**

कोई भी कार्य करते समय सबसे पहले यह विचार करें कि इस कार्य को सरल तरीक़े से कैसे किया जा सकता है। उन सरल तरीक़ों पर काम कर आप समय का सफल निष्पादन कर सकते हैं।

***E यानी Elliminating एलिमिनेटिंग**

यानी खत्म करना। दिन भर में हम बहुत से ऐसे कार्य करते हैं जो करने की हमें ज़रूरत नहीं; जैसे हम बच्चों के कमरे को खुद organise करते हैं। उसको हमारी व्यवस्था पसंद नहीं आती और वह पुनः उसे REAARANGE करता है। परिणामतः हमारे द्वारा किया गया श्रम और उसमें लगने वाला समय व्यर्थ गया और बच्चे के साथ आपका वैचारिक मतभेद भी हुआ। इसके बजाय यदि आप बच्चे को ही अपना कमरा व्यवस्थित करने को कहते और उसे मदद करते तो आपका श्रम भी बचता और समय भी। इस समय का उपयोग आप अन्य किसी कार्य में कर सकते थे।

R का मतलब है reducing the activity यानि अपने अनुभव, जानकारी और समझदारी को इस्तेमाल करते हुए कार्य को करना जिससे आपका समय बचे।

दिन की समाप्ति पर अपने दिन भर को रिव्यु करें। कितने काम किए, किस तरीक़े से किए, कितनी सफलता मिली, कितना समय का सदुपयोग किया ?

इस सब सेल्फ एनालिसिस से आपको अपनी खामियाँ और अपने गुणों के बारे में जानकारी मिलेगी। ऐसा करने से आप ग़लतियों से बचेंगे। गलतियों से बचना यानि समय की बचत और इस बचे समय का सदुपयोग आप अपने लक्ष्य प्राप्ति में लगा सफलता की नई कहानी रचने में लगा सकते हैं।

उचित प्रबंधन से समय का सदुपयोग करें और अपने जीवन को सार्थक बनाएं। किसी भी काम को कल पर न टालें।

दोस्तों समय बहुत ही बलवान है। समय का उचित प्रबंधन कर हम अपने जीवन को सप्त सितारा जीवन बना सकते हैं। समय जीवन का सबसे अमूल्य धन है। समय अमूल्य धन तो है लेकिन इसे कोई नहीं रख सकता क्योंकि समय अपनी रफ़्तार से आगे बढ़ता ही रहता है। समय किसी के लिए नहीं रुकता बल्कि हर एक व्यक्ति को समय के साथ चलना पड़ता है। हर एक व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह समय के साथ चलना चाहता है या समय के पीछे। जो व्यक्ति समय के साथ चलता है, जो समय का सदुपयोग करता है, वह जीवन में हमेशा ही आगे बढ़ता रहता है और सफलता प्राप्त करता है। लेकिन जो समय को महत्व नहीं देता वह जिंदगी भर बेकार बैठा रहता है, उसका जीवन ऐसे ही व्यर्थ चला जाता है।

ज्ञान मँजूषा

ज्ञान मंजूषा एक ऐसा स्तंभ है जिसमें हम दीदी की ज्ञान वाणी सतसंगियों तक पहुंचाते हैं ताकि वह उसे पढ़ें, समझें और अपने जीवन में उतारें और अपने साथ- साथ दूसरों के जीवन को भी सप्त सितारा बनाएं।

प्रस्तुत है ज्ञान सागर के ऐसे ही कुछ मोती :-

अपना हाथ जगन्नाथ

शास्त्र कहता है– अपना हाथ जगन्नाथ। नारायण शास्त्र कहता है कि आपका जो बायाँ हाथ है इसमें नारायण की ऊर्जा, यानी जगन्नाथ की ऊर्जा निहित है जो सुप्त अवस्था में है। कुछ मंत्रों, यानि सकारात्मक एफर्मेशन्स के उच्चारण से हम इसे जागृत कर सकते हैं। आप जो चाहते हैं वैसे एफर्मेशन्स का प्रयोग विचार, वाणी, व्यवहार में करें और जीवन को सातों सुखों से भरपूर करें। ब्रह्माण्ड में सकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक ऊर्जा दोनों ही समाहित हैं। हम जो एफर्मेशन्स देते हैं, वही ऊर्जा को हम अपनी तरफ आकर्षित करते हैं।

सफलता तक पहुँच कर उस पर टिके रहने के उपाय

राज दीदी कहती हैं कि सफलता पाना तो फिर भी आसान है, मगर उस ऊंचाई पर पहुंचकर उस पर टिके रहना, यह एक चुनौती है।

राज दीदी ने 'विरासत' नामक एक पुस्तक के बारे में बताया। जो सफल लोग हैं जैसे नारायण मूर्ति, अजय जी पीरामल, विवेक जी कामत, पी.पी.छाबरिया इन सबके लिखे हुए खत हैं, विरासत पुस्तिका के भीतर, जो उन्होंने अपनी–अपनी बेटियों को लिखे थे। उन सभी के पत्रों का संग्रह है वह किताब, 'विरासत।' हम किसी भी व्यक्ति का पत्र पढ़ कर यह judge कर सकते हैं कि वह व्यक्ति कैसा है। उस पुस्तिका में हमें यहां से ऊपर जाने का रास्ता और उस ऊंचाई पर पहुंचकर वहां पर टिके रहने का रास्ता मिल गया। पीरामल ग्रुप के सर्वेसर्वा अजय पीरामल लिखते हैं, एक समय ऐसा था कि उनके पास पैसा तो था ही नहीं, कई तरह का लोन चढ़ा हुआ था और साथ ही साथ चारों तरफ से कई परेशानियों से घिरे हुए थे। आज यह स्थिति है कि २०१६ की भारतीय अमीरों की लिस्ट में वह ४२ नंबर के पायदान पर थे। उनके लिखे कुछ चुनिंदा पत्रों में (Glimpse बोलते हैं अंग्रेजी में) वह अपनी बेटी को लिखते हैं, 'जिसे हम विपरीत समय कहते हैं, खराब समय कहते हैं, बुरा समय कहते हैं वह अस्थाई होता है यानि कि temporary होता है। आता है चला जाता है और जीवन वापस अपने ढर्रे पर चल पड़ता है। अजय जी पीरामल आगे लिखते हैं उन दिनों मैंने सीखा - बिना किसी इच्छा के लोगों से प्रेम करना, निःस्वार्थ भाव से प्रेम करना, जिस तरह माँ अपने बच्चों से प्रेम करती है। अजय जी अपनी बेटी को आगे लिखते हैं, जो कुछ भी ईश्वर ने दे रखा है उसका आभार प्रकट करो, मैं आभार प्रकट करने में विश्वास रखता हूं। आभार प्रकट करने वाला व्यक्ति हमेशा सुखी होता है। अजय जी आगे कहते हैं जिस वक्त सफलता ने कदम चूमना शुरू कर दिया था, पैसा, मान – सम्मान आना शुरू हो गया था, उसी वक्त मैंने अपनी जीवन की प्राथमिकता तय कर ली थी। जब सफलता कदम चूम रही थी, धन संपत्ति आ रही थी मेरे लिए सबसे पहले मेरा परिवार है, फिर मेरी सेहत है और फिर मेरा काम है। उसीपर मैं आज तक चल रहा हूं। मैं कभी भी देर रात तक पार्टी में नहीं गया, जो समय मुझे मिलता उसे मैं अपने परिवार के साथ बिताता। आज जब मैं मुड़कर देखता हूं, तो जो समय मैंने अपने परिवार के साथ बिताए वह मेरे जीवन के स्वर्णिम पल थे, Golden Period था। जिस प्रकार मैंने अपने जीवन की प्राथमिकता तय कर रखी है उसी प्रकार मैंने अपने बिज़नेस का उसूल बना लिया कि 'मुझे सिर्फ उन्हीं कामों को करना है जिससे मेरे बच्चे मुझ पर गर्व कर सकें।' अजय जी आगे लिखते हैं, यह जो अंडरवर्ल्ड के लोग हैं, डॉन हैं, माफिया हैं उनके पास बहुत पैसा है, बहुत शक्ति है पर मैं गारंटी देता हूं कि उनके बच्चे उन पर कभी भी गर्व नहीं कर सकते।

॥ 卐 ॥

हालु सिम्बल से हीलिंग

हालु सिम्बल को शारीरिक और मानसिक चिकित्सा के लिए प्रयोग किया जाता है । दीदी ने कहा, आप हालु सिम्बल बनाएं और प्रार्थना करें, 'हे नारायण आपसे प्रार्थना है कि जो हालु सिम्बल हमने बनाया है उसने हमारी नकारात्मकता को दूर कर दिया है।' जो भी नकारात्मकता हम प्रकृति से, अड़ोस–पड़ोस से, क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष, आकर्षित करते हैं , वह सब हमारे भीतर समाहित हो कर, आगे जा के यह चीज़ें रोग इत्यादि का कारण बनती हैं । रात को सोते वक्त हमें दायें हाथ से बाएं हाथ में हालु सिम्बल बनाना है। दोनों हाथ जोड़ लीजिए और नारायण–नारायण कह दीजिए ताकि हालु सिम्बल की ऊर्जा दोनों हाथों में समा जाए । बाएं हाथ को हमें हार्ट चक्र पर रखना है जहां सारे इमोशन समाहित हैं और दूसरा हाथ ठीक उसके नीचे सोलर प्लेक्सस पर, जहां सारे अंग हैं ताकि तन की सफाई भी हो सके। यह प्रक्रिया हमें बिस्तर पर लेटे हुए करनी है। हमें यह कहना है 'हे नारायण आपसे प्रार्थना है कि जो हालु सिम्बल हमने बनाया है उसकी यह खासियत है कि तन के साथ- साथ मन की नकारात्मकता को भी अपने भीतर समा लेता है । हमारे भीतर किसी के भी प्रति जो भी ईर्ष्या, द्वेष है उन्हें हालु symbol अपने भीतर समेट लेता है। हमारे मन में जो भी नकारात्मक भाव और नकारात्मक इमोशन है उन सब की बाएं हाथ से सफाई होगी, दाएं हाथ से हमारे तन के भीतर की सफाई होगी । जब हम सोते-सोते सकारात्मक संदेश देते हैं, तो हमारे शरीर की हर एक कोशिका वही संदेश दोहराती है। उस संदेश को हमारे शरीर को मानना ही होता है और रातों-रात हालु सिम्बल हमारे अंदर का क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष अपने भीतर समेट लेता है । सारी नकारात्मकता दूर हो जाती है और सुबह हम तरोताज़ा उठते हैं । यह प्रक्रिया हमें सोते वक्त रोज़ करनी है ताकि दिन भर की सारी नकारात्मकता दूर हो जाए । राज दीदी ने आगे Meditation करवाया । ब्रह्मांड में जो अच्छाई, भलाई, करुणा है उसे हम राम-राम इक्कीस के माध्यम से जमा कर रहे हैं, जमा कर रहे हैं। हमारा बांया हाथ स्थिर रहेगा और दांए हाथ से हम ब्रह्मांड की सारी सकारात्मक ऊर्जा को एकत्रित करेंगे । हम जब भी राम-राम का उच्चारण करते हैं तो सकारात्मक ऊर्जा ही हमारे नज़दीक आती है और नकारात्मक ऊर्जा अपने आप ही पीछे चली जाती है । आपके हाथों में सकारात्मक ऊर्जा से भरा हुआ, अच्छाई, भलाई, करुणा से भरा हुआ सकरात्मकता से भरा हुआ घड़ा है, उसको अपने सर पर रख लीजिए। अब आप यह महसूस कीजिए कि आपके क्राउन चक्र के माध्यम से आपके भीतर ब्रह्मांड में व्याप्त अच्छाई, भलाई, करुणा और सारी सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर रही है। तीन बार गहरी सांस लीजिए, दोनों हाथों को आपस में रगड़ें, शरीर के जिस किसी भी हिस्से में दर्द है वहां जाकर अपने हाथों को लगा लीजिए और मुस्कुराते हुए अपनी आंखें खोलिए ।

यह meditation राम राम १०८ के साथ घर में आपको प्रतिदिन करना है ।

बहुत बार हम कोशिश करते हैं कि हमारी वाणी सभी के साथ मीठी रहे । मगर कभी-कभी संस्था में, घर में या कहीं भी कोई कर्मचारी अपना काम ठीक से नहीं करते हैं तो हमारी वाणी तेज़ हो जाती है और हम ऊंचा बोलने लगते हैं। हम इसे कैसे control करें?

राज दीदी ने कहा, किसी कर्मचारी का काम न करने का एक बहुत बड़ा कारण यह होता है कि हम लोग सीधे उस पर दोषारोपण करते हैं । कई बार हमारी नकारात्मकता उस कार्य को संपन्न होने से रोक देती है और हम दूसरे पर दोषारोपण कर देते हैं । राज दीदी ने कहा कि हमारे चिल्लाने से क्या वह काम कर देता है क्या? अगर करता भी है तो डर के मारे करता है । उस वक्त उसके मन से आपके लिए सिर्फ़ नकारात्मकता ही निकलती है । चिल्लाने से हमारे नए कर्म बंधते हैं । राज दीदी ने

कहा, वाणी का सदुपयोग करें । हमें अपनी यह सोच बदल देनी चाहिए, यह मानसिकता हमें बदल देनी होगी कि helper या संस्था का कर्मचारी बिना चिल्लाए काम नहीं करता । कभी धीरे बोल कर देखिए, प्यार से बोल कर देखिए तब भी अगर वह कार्य नहीं कर रहा है तो उसका कारण जानने की कोशिश करिए ।

राज दीदी ने कहा रात को सोने के पहले दस मिनट के लिए उस व्यक्ति को विज़ुअलाइज़ करें कि वो व्यक्ति वैसा व्यवहार कर रहा है जो व्यवहार आप देखना चाहते हैं । उस व्यक्ति को appreciation भेजिए, positive vibrations भेजिए 'आप बहुत sincere हैं, responsible हैं, एक बार बोलने पर ही काम कर देते हैं।' अपनी वाणी पर संयम रखिए, positive affirmations भेजिए और आप पाएंगे कि अगली बार आप जितने प्रेम से उससे व्यवहार करेंगे उतने ही प्रेम से before time वह आपका काम करके देगा। आपका volume तेज़ नहीं हुआ मतलब Love, Respect, Faith, Care (LRFC) सुख, शांति, समृद्धि भरा वातावरण रहेगा ।

कोई हमारे साथ गलत व्यवहार कर रहा है तो हम हमारी मन की शांति को बनाए रखने के लिए क्या करें ?

राज दीदी ने कहा कि अगर कोई हमारे साथ गलत व्यवहार करता है, तो वह हमारे कर्मों का नतीजा है, वह मात्र एक माध्यम है । हम किसी की वजह से सुख भोगते हैं या दुःख भोगते हैं, वह सिर्फ़ एक माध्यम रहता है, कर्म हमारे रहते हैं । जैसे ही हमें यह awareness हो गई कि यह हमारे कर्मों का फल है, हम उस व्यक्ति से गलत व्यवहार नहीं चाहते हैं और हम हमारी मन की शांति भी चाहते हैं । हम सहज ही घर के लोगों से यह चर्चा कर बैठते हैं कि इसने मेरे साथ ऐसा व्यवहार किया। जिस तरीके का अच्छा व्यवहार हम उनसे एक्सपेक्ट करते हैं, हमें उस व्यक्ति को वैसा ही सकारात्मक affirmation भेजना चाहिए । ब्रह्मांड कहता है, प्रकृति कहती है कि आपको जो चाहिए वह बोलो, जो आप बोलते हो वह मैं आपको ला कर देती हूं । यह बात सही है कि उनका व्यवहार गलत है मगर आपको positive affirmations देना चाहिए ताकि सामने वाले का व्यवहार आपके प्रति Love, Respect, Faith, Care से परिपूर्ण हो जाए । आग में आप पानी छिड़कने का काम करिए और मन ही मन यह बोलते रहिए कि वह बहुत लविंग है, केयरिंग है, विनम्र है। तुरंत ही उनके व्यवहार में परिवर्तन हो जाएगा । यह वाईब्रेशन आपके भीतर हो रहे हैं, फिर भी आपके भीतर की सकारात्मकता सामने वाले पर नज़र आएगी । आप यदि यह बोल देते हैं कि इनका व्यवहार तो हमेशा से ऐसा ही है तो उनमें बदलाव कभी नज़र नहीं आएंगे ।

प्रकृति कहती है 'What you Want, I will Give..' आप प्रकृति को बताइए ताकि प्रकृति आपके लिए व्यवस्था कर सके कि आपको क्या चाहिए। Positive affirmations आपको तब तक देने होंगे जब तक मनचाहा परिवर्तन आपको नज़र नहीं आता । राज दीदी ने एक उदाहरण के माध्यम से समझाया कि कांच का कोई कीमती सामान हमारे हाथ से टूट जाता है तो हम झट से कह देते हैं कि गलती से टूट गया । उसी तरह ही किसी हैल्पर से कीमती सामान टूट जाए तो हम उसे क्षमा नहीं कर पाते, क्षमा कर देना चाहिए ।

कुछ कार्य के लिए हम कभी–कभी झूठ बोल देते हैं और फिर हमें एहसास होता है और पछतावा भी होता है कि हम क्या करें कि हम झूठ ना बोले ताकि हमें बाद में पछताना ना पड़े?

राज दीदी ने कहा कि रात को सोते वक्त हम जो मैसेज देते हैं, हमारा subconscious mind ६–७ घंटे इस मैसेज पर काम करता है । रात को सोने के पहले उस दृश्य को याद करें जब आपने अपनी या किसी और की गलती छुपाने के लिए झूठ बोला था । पिछली बार मैंने झूठ बोला, मुझे पछतावा हुआ अब आगे मुझे यह नहीं करना है । जो झूठ बोला था उसकी

ऐवज में सच बोल देना चाहिए था फिर आपको पछतावा नहीं होता । यह करने से दोबारा आपके जीवन में कभी ऐसा कोई प्रसंग आयेगा तो आप कभी भी झूठ नहीं बोलेंगे, सच ही बोलेंगे । प्रकृति से आपका यह कमिटमेंट होता है । झूठ जो आपने बोला है उसका कर्म आपको बहुत कम भोगना पड़ता है और प्रकृति से आपको भारी डिस्काउंट मिल जाता है । दोबारा ऐसा प्रसंग सामने आने पर subconscious mind आपको गाइड करेगा कि यहां मुझे सच ही बोलना है और आपका फोकस हमेशा सच बोलने पर ही रहेगा।

राज दीदी ने सभी को धीमे से आँखें बंद करके उन्हें याद करने के लिए कहा जो – हमारे लिए सीढ़ी का रोल निभाते हैं, माता, पिता, भाई, बहन, पड़ोसी, दोस्त, रिश्तेदार, पत्नी। ये लोग हमें उत्साहित करते हैं, हमारा हौंसला बढ़ाते हैं, आगे बढ़ने के लिए, ऊपर चढ़ने के लिए। जब भी हमें भीतर से कमजोरी होने लगती है, हमारा आत्मविश्वास डगमगाने लगता है ऐसे लोग हमारे इर्द-गिर्द हैं, जो हमारा आत्मविश्वास बढ़ाते हैं ताकि हम आगे बढ़ें और ऊपर चढ़ें। माधव कहते हैं कि हमारे जीवन में ऐसे लोग भी हैं जो सांप का रोल अदा करते हैं । ऐसे लोग हमारा अच्छा भला आत्मविश्वास डगमगा देते हैं। कभी ताने मार कर तो कभी कुछ और कहकर। जब हम तुम्हारी उम्र के थे ऐसा काम नहीं करते थे, तुम्हें क्या लगता है, तुम्हारा यह idea काम करेगा? ज़्यादा smart मत बनो, over confident मत बनो, तुम्हारे जैसे लोग ही अंत में हार जाते हैं । इस तरह की टीका – टिप्पणी करने वाले भी इंसान हमारे जीवन में होते हैं, जो हमारा उत्साह कमज़ोर कर देते हैं और हमें नीचे गिराते हैं।

माधव के कहे अनुसार राज दीदी ने सभी को आँखें बंद करे हुए मन ही मन धीमे से सभी का धन्यवाद करने को कहा जिन्होंने हमारे जीवन में सीढ़ी का काम किया है। जब आपको ऐसा लगे हमने सभी का धन्यवाद कर दिया है, तो गहरी सांस लीजिए और कुछ क्षणों बाद उन लोगों का ध्यान कीजिए जिन्होंने आपके जीवन में सांप का रोल अदा किया है । राज दीदी ने कहा कि अपने मन में उनके लिए किसी भी प्रकार की नकारात्मक भावना न लाइए । कई बार ऐसा होता है कि कुछ लोग हमें ताने इसलिए मारते हैं कि आप ज़रा सा उकसा जाओ, आपको कुछ बुरा लग जाए, आप उस बात को चुनौती की तरह लो और आगे बढ़ जाओ । इतिहास ऐसी कहानियों से भरा पड़ा है, जहां लोगों को ताने सुनने मिले और उन तानों को उन्होंने सांप न समझकर सीढ़ी माना, चुनौती की तरह लिया और आगे बढ़े । आज ऊंचाई पर सफल जीवन जी रहे हैं । उन्हें भी धन्यवाद, नारायण की ब्लेसिंग्स उनके साथ भी और उनको बड़े प्रेम से धन्यवाद कर दीजिए । जब सभी का धन्यवाद हो जाए गहरी सांस लेकर मुस्कुराते हुए आंखें खोलना है ।

राज दीदी कहते हैं कि अब हमें यह देखना है कि हम कितनों के जीवन में सीढ़ी का रोल अदा करते हैं । हमारे इर्द-गिर्द कोई दो – चार लोग ऐसे है क्या, जो यह कह सकें कि तुमने मेरे जीवन में सीढ़ी का रोल अदा किया हैं । राज दीदी ने कहा कि हम NRSP हैं, हम कोशिश कर रहे हैं और हमें यह करना ही है।कई बार हमारे दो-तीन अच्छे शब्द ही किसी को उत्साहित करने के लिए काफी होते हैं- **'हां तुम यह कर सकते हो, Yes you can do..'** हमारा इतना सा कहना ही उन्हें प्रोत्साहित कर देता है । माधव कहते हैं कि हमारे जीवन में सुधार लाने के लिए हम कई सारे संकल्प लेते हैं । वज़न संतुलित करने के लिए हम एक्सर्साइज़ का संकल्प लेते हैं । साथ ही साथ हम यह संकल्प भी लें कि दिनभर में हम कम से कम एक व्यक्ति को प्रोत्साहित करें, किसी के जीवन में तो सीढ़ी का काम करें ।

-

युवा मंच

समय बहुमूल्य है, समय बेशक़ीमती है, इसे बुद्धिमानी से निवेश करें।

सफल लोग अपने समय का उपयोग बुद्धिमानी से करते हैं, औसत दर्जे के लोगों से विपरीत, जो इसे दैनिक आधार पर बेकार कर देते हैं।

सफलता की कुंजी समय के उचित उपयोग में निहित है। बुद्धिमान जानते हैं कि प्रत्येक गुज़रता हुआ सेकंड अपरिवर्तनीय है इसलिए वे समय का सदुपयोग करते हैं। राज दीदी ने भी एक वार्ता में इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रत्येक क्षण अपने आप में अद्भुत अवसर लेकर आता है। यह हम सभी के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध खज़ाना है, लेकिन केवल कुछ ही लोग जानते हैं कि इसका सर्वोत्तम उपयोग कैसे करें और लाभ कैसे प्राप्त करें। आप वस्तुएं खरीद सकते हैं, दोस्तों के साथ घूम सकते हैं, पसंद के कपड़े पहन सकते हैं या भौतिकवादी लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं लेकिन समय एक ऐसी चीज़ है जिसे आप नहीं खरीद सकते। वर्तमान क्षण केवल आपका है।

समय अमूल्य है। आपने शायद यह कहावत सुनी होगी कि 'जीवन में सबसे अच्छी चीज़ें मुफ्त में मिलती हैं।' समय के साथ भी यही होता है- यह जीवन का सबसे अच्छा उपहार है जो हमें मिला है। आप समय का मौद्रिक मूल्य नहीं लगा सकते। आप इसे किसी भी प्रकार के धन या संपत्ति से भुना नहीं सकते। यदि ऐसा होता, तो कई धनी लोगों ने इस प्यारी धरती पर अधिक समय का आनंद लेने के लिए अपने अरबों डॉलर का निवेश किया होता।

बच्चे और युवा अपने भीतर अपार क्षमता रखते हैं। छात्र की व्यस्त दिनचर्या में समय प्रबंधन बहुत उपयोगी हो सकता है। यह सुनिश्चित करता है कि छात्र अपने दैनिक जीवन का प्रबंधन करने और समय पर शैक्षणिक कार्य पूरा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार, संगठित और केंद्रित है। ऐसा करने से बेहतर सफलता मिल सकती है, हालांकि, यह एक ऐसा कौशल है जिसे छात्रों को सीखना और अभ्यास करना होगा।

प्रभावी समय प्रबंधन कौशल का आपके काम और जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। जब आप दैनिक आधार पर अपने समय पर नियंत्रण करना सीखते हैं, तो आप काम करने की क्षमता में सुधार करते हैं, बेहतर निर्णय लेते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप अपनी प्राथमिकताओं पर अंतिम नियंत्रण ले पाते हैं।

'समय किसी भी व्यक्ति के लिए स्थिर नहीं रहता है'? यह स्पष्ट है। समय सदैव गतिमान रहता है। यह अमीर या गरीब, प्रसिद्ध या साधारण, मुस्लिम या ईसाई, पुरुष या महिला, किसी के लिए नहीं रुकता। प्रत्येक व्यक्ति को २४ घंटे का समय दिया जाता है कि वह या तो इसका उपयोग करे या इसे बर्बाद कर दे। समय किसी का इंतज़ार नहीं करता है, लेकिन यह हमें अपने सपनों का पालन करने या उन्हें बर्बाद करने के लिए बराबर समय देता है। यूँ तो इसे समाहित नहीं किया जा सकता है पर स्मरण शक्ति जो हमें उपहारस्वरूप मिली है, के साथ उन सभी महान क्षणों को कैद करने की क्षमता रखते हैं जिन्होंने हमारे जीवन को सार्थक बनाया।

एक बार जब आप हर मिनट की शक्ति का उपयोग करना शुरू कर देंगे, तो आपके घंटे स्वत: ही फलदायी हो जाएंगे और जीवन वास्तव में सार्थक हो जाएगा।

।।卐।।

बच्चों की फुलवारी

ज़रा सोचिए कि आपको आपके पिता द्वारा प्रतिदिन ८४६००/- रुपये दिए जाते हैं, शर्त यह है कि आप इसे उसी दिन खर्च करेंगे, आगे नहीं बढ़ाएंगे, आप क्या करेंगे। आप इसका उपयोग आप को जो चाहिए उसे खरीदने के लिए करेंगे, फैशन सामग्री, किताब, अध्ययन सामग्री, आप इसका उपयोग दोस्तों के इलाज के लिए करेंगे, आदि। फिर भी यदि कुछ राशि बची है तो आप केवल पछताएंगे। प्रकृति आपको हर दिन यह ८४६०० सेकंड देती है - इसका उपयोग करें या पछताएं चुनाव हमारा है।

एक राज्य था जिसका नियम था कि राजा ५ साल तक शासन करेगा और राज्य के नियमानुसार राज्य से जुड़ी वन भूमि में चला जाएगा। यह वन भूमि घने जंगल और खतरनाक जानवरों से भरी हुई थी और जीवित रहना अपने आप में बड़ी बात थी इसलिए राजा बनने के लिए कोई तैयार नहीं था। एक दिन दूसरे राज्य का एक गरीब व्यक्ति आया और उसकी एकमात्र शर्त यह थी कि वह राजा बनने से पहले एक बार जंगल देखना चाहता था। उस पर प्रजा की सहमति थी। अगले ५ साल उसने जंगल की ज़मीन पर काम किया और उसे रहने लायक बनाया।

यह समय प्रबंधन कहानी उन लोगों के लिए प्रेरणादायी है जो भविष्य के लिए बेहतर जीवन शैली पाने के लिए वर्तमान में कोशिश कर रहे हैं। यदि हम समय प्रबंधन कौशल के साथ एक योजना तैयार करते हैं, तो निश्चित रूप से हमें जीवन में सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता है।लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि सफलता ही सब कुछ नहीं है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे जीवन में सफलता निरंतर बनी रहे, हमें अपने जीवन को भी सार्थक बनाने की आवश्यकता है। जब हम सफलता में उद्देश्य जोड़ते हैं तो जीवन सार्थक हो जाता है। मैं एक सफल डॉक्टर हूँ, और लाखों कमाता हूँ, लेकिन साथ ही मैं जरूरतमंद रोगियों का इलाज करता हूँ तो मैं अपने जीवन को सार्थक बनाता हूँ। लेकिन यहां फिर से हमें सही प्रोजेक्ट के लिए सही समय सुनिश्चित करने की ज़रूरत है। जब हम प्यासे हैं और हमारे सामने भव्य भोजन रख दिया जाए तो हम आनंद नहीं ले पाएंगे। इसी प्रकार सही समय पर किया गया सही कार्य सर्वोत्तम परिणाम लाता है।

समय बहुत ही कीमती है और एक बार चला गया तो हम इसे वापस नहीं ला सकते। हम केवल अपनी पिछली गलतियों से सीखते हुए आगे बढ़ सकते हैं और एक सफल वर्तमान सुनिश्चित कर सकते हैं और एक सार्थक कल की रचना कर सकते हैं इसलिए सदैव समय का सदुपयोग करें।

हे नारायण आपका धन्यवाद है आपके आशीर्वाद और नारायण शक्ति की कृपा से रंजीता मालपानी ५६ करोड़ का जैक्पाट अमाउन्ट अपनी ट्यूशन क्लासेस और स्टॉक मार्केट के अपने इनवेस्टमेंट से काम रही है

जैकपॉट शेयरिंग (राम–राम पुस्तिका) कुछ दिन पहले मेरी माता जी को पैरालिटिक अटैक आया था, वे अस्पताल में भर्ती थीं। हम घरवाले जब भी उनसे मिलने जाते, वहां बैठ कर राम–राम की लेखनी पुस्तिका में लिखते और वह पुस्तिका उनके तकिए के नीचे रख कर आ जाते। माता जी की चमत्कारिक तरीके से रिकवरी बहुत जल्द हो गई,और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल में भर्ती अन्य लोगों के परिजनों ने पूछा तब उन सबको भी हमने राम–राम की लेखनी पुस्तिका उपहार स्वरूप दे दी। दीदी आपको धन्यवाद, यह चमत्कारिक पुस्तिका का उपहार हमें देने के लिए।

अपने आप को बहुत स्मार्ट समझा : दीदी, यूं तो मेरी लव मैरिज हुई, पर सही मायने में मेरे पति से आपने मुझे मिलवाया है। मुझे पति से शुरू से यह शिकायत रही कि वो किसी बड़े के आगे बोलते नहीं हैं और मेरे लिए कोई स्टैंड नहीं लेते। मेरी जेठानी से मेरे संबंध तनावपूर्ण थे। परंतु मेरे पति ने हमेशा से सभी बड़ों को आदर सम्मान ही दिया। वहीं मैं अपने आप को बहुत स्मार्ट समझती थी कि मैं कितनी आसानी से अपनी बात सामने वाले तक पहुंचा देती हूं और उन्हें बुरा भी नहीं लगता। लेकिन सच तो यह है कि मैं अपनी बेबाकी के कारण हर्ट करने का ही काम करती थी। परिणाम यह भुगतना पड़ा कि धीरे–धीरे मेरे सभी से संबंध अस्वस्थ होते चले गए। मेरे गले में नारायण हेल्प अवस्था हो गई, इतनी कि डॉक्टर ने कम बोलने को कहा, यहां तक कि सर्जरी की नौबत आ गई थी। तभी मैं आपके सतसंग से जुड़ी और दूसरे लोगों की शेयरिंग के माध्यम से जाना कि मेरी स्मार्टनेस ही मेरी गलती है और पति की जिस क्वॉलिटी को उनकी सबसे बड़ी कमज़ोरी समझती थी, वही तो सही मायने में जीवन जीने का सही तरीका है। आपकी हर बात को मान कर अब मैं तन, मन, धन, संबंधों से सप्त सितारा जीवन जी रही हूं और मेरा गला भी अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है। राम राम १०८ मैं आसानी से ज़ोर ज़ोर से कर सकती हूं। आप नहीं मिलते तो ना जाने मैं कितने और कर्म इकठ्ठे करती जाती और सही पति को गलत साबित करती जाती। आपको कोटि–कोटि प्रणाम, दीदी।

डॉ. पांडे : मेरे पति मेरे जेठ के बच्चों को पढ़ने के लिए मेरे घर ले आए। मैं यह नहीं चाहती थी जिसके कारण मैं हर समय घर में नारायण नारायण करती थी। उनका एक बच्चा सीए बन गया और दूसरे शहर में नौकरी करने चला गया। मेरे पति जेठ के दूसरे बच्चे को भी यह कह कर ले आए कि उसको भी सीए बनाऊंगा। मैंने मन में बोला कि तुम नहीं करवा पाओगे। उस बच्चे ने ३–४ बार ट्राई किया, सीए नहीं क्लीयर हुआ तो मेरे पति ने उसकी कहीं अच्छी जगह नौकरी लगवा दी। परंतु परिणाम यह है कि मेरा बेटा, जो कि सीए की ट्राई कर रहा है ३–४ अटेम्प्ट में भी पास नहीं किया।

जैकपॉट – आपसे जुड़ने के बाद मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ मैंने सतसंग से दूसरों के लिए प्रार्थना करना और अपना सर्वोत्तम देना सीखा । मैं जैसे जैसे फ़ोन अपग्रेड करती हूं, पुराना फ़ोन मैं दूसरों को दे देती हूं, ताकि वो लोग भी राज दीदी का सतसंग सुन सकें। कई बार उनके घर वाले फ़ोन का डेटा चार्ज नहीं करवाते हैं तो मैं मेरे पति से उनका रिचार्ज करवा देती हूं ताकि वो दीदी का सतसंग सुन सकें। उस बच्चे के लिए बहुत प्रार्थना की ।

परिणाम वो बहुत ही अच्छी नौकरी कर रहा है । मैं 1bhk से 4 bhk के फ्लैट में शिफ्ट हो गई ।

दीदी ने इनकी प्रशंसा करते हुए कहा, ‘आपने शुद्ध भाव से दूसरों को भी सतसंग से जोड़ा, इसलिए आपके

जीवन में बरकत है। आप सब यह समझें कि नारायण की कृपा हुई तब इनके पति के मन में विचार आया कि मैं अपने बड़े भाई के बच्चों को पढ़ाऊं।

पत्नी ने नारायण नारायण किया, असर खुद् के बच्चे पर पड़ा। परंतु पत्नि ने पूरी तरह मना नहीं किया, भतीजे को पढ़ाने के लिए, नतीजा– बेटा एल एल बी पास तो हो गया है। यदि आपके ननद, जेठ या देवर का बेटा/ बेटी आपके पास रहने आते हैं, आपको यह मालूम है कि कुछ न कुछ मजबूरी या कमी की वजह से आपके पास रहने आता है, तो आपका यह कर्तव्य है कि आप उन्हें खुश हो कर रखें। उनका जितने दिन का दाना–पानी लिखा है, उतना तो वो ले कर जायेंगे ही। आप हर क्षण यह सोचें कि यह नारायण स्वरूप मेरे घर में आया है, अब बरकत बढ़ोत्तरी होगी, जिस भाव से आप उसको रखेंगे, वैसा आपके घर का माहौल बनता जायेगा, वो चीज़ें आपके घर में आती जायेंगी। और इसका सकारात्मक प्रभाव आपके बच्चों में भी देखने को मिलेगा।

नारायण आपके आशीर्वाद और नारायण शक्ति की कृपा से अयोध्या मालपानी उत्तम स्वास्थ्य और सप्त सितारा जीवन जी रहे हैं ।

संतोष लदधा और श्रीकांत लदधा को विवाह वर्षगांठ पर सप्त सितारा जीवन का नारायण आशिर्वाद

अमूल्य धन – समय

वन में स्थित एक आश्रम में एक ज्ञानी साधु रहते थे । ज्ञान प्राप्ति की लालसा में दूर-दूर से छात्र उनके पास आया करते थे और उनके सानिध्य में आश्रम में ही रहकर शिक्षा प्राप्त किया करते थे ।आश्रम में रहकर शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों में से एक छात्र बहुत आलसी था । उसे समय व्यर्थ गंवाने और आज का काम कल पर टालने की बुरी आदत थी। साधु को इस बात का ज्ञान था । इसलिए वे चाहते थे कि शिक्षा पूर्ण कर आश्रम से प्रस्थान करने के पूर्व वह छात्र आलस्य छोड़कर समय का महत्व समझ जाए।

इसी उद्देश्य से एक दिन संध्याकाल में उन्होंने उस आलसी छात्र को अपने पास बुलाया और उसे एक पत्थर देते हुए कहा, 'पुत्र! यह कोई सामान्य पत्थर नहीं, बल्कि पारस पत्थर है। लोहे की जिस भी वस्तु को यह छू ले, वह सोना बन जाती है। मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूँ। इसलिए दो दिनों के लिए ये पारस पत्थर तुम्हें दे रहा हूँ इन दो दिनों में मैं आश्रम में नहीं रहूंगा । मैं पड़ोस के गाँव में रहने वाले अपने एक मित्र के घर जा रहा हूँ। जब वापस आऊंगा, तब तुमसे ये पारस पत्थर ले लूंगा । उसके पहले जितना चाहो, उतना सोना बना लो।' छात्र को पारस पत्थर देकर साधु अपने मित्र के गाँव चले गए । इधर छात्र अपने हाथ में पारस पत्थर देख बड़ा प्रसन्न हुआ । उसने सोचा कि इसके द्वारा मैं इतना सोना बना लूंगा कि मुझे जीवन भर काम करने की आवश्यकता नहीं रहेगी और मैं आनंदपूर्वक अपना जीवन व्यतीत कर पाऊँगा । उसके पास दो दिन थे । उसने सोचा कि अभी तो पूरे दो दिन शेष हैं, ऐसा करता हूँ कि एक दिन आराम करता हूँ। अगला पूरा दिन सोना बनाता रहूंगा। इस तरह एक दिन उसने आराम करने में बिता दिया। जब दूसरा दिन आया, तो उसने सोचा कि आज बाज़ार जाकर ढेर सारा लोहा ले आऊंगा और पारस पत्थर से छूकर उसे सोना बना दूंगा । लेकिन इस काम में अधिक समय लगेगा नहीं. इसलिए पहले भरपेट भोजन करता हूँ । फिर सोना बनाने में जुट जाऊंगा । भरपेट भोजन करते ही उसे नींद आने लगी । ऐसे में उसने सोचा कि अभी मेरे पास शाम तक का समय है। कुछ देर सो लेता हूँ। जागने के बाद सोना बनाने का काम कर लूंगा। फिर क्या? वह गहरी नींद में सो गया। जब उसकी नींद खुली, तो सूर्य अस्त हो चुका था और दो दिन का समय पूरा हो चुका था। साधु आश्रम लौट आये थे और उसके सामने खड़े थे।

साधु ने कहा, 'पुत्र! सूर्यास्त के साथ ही दो दिन पूरे हो चुके हैं। तुम मुझे वह पारस पत्थर वापस कर दो।'

छात्र क्या करता? आलस के कारण उसने अमूल्य समय व्यर्थ गंवा दिया था और साथ ही धन कमाने का एक सुअवसर भी । उसे अपनी गलती का अहसास हो चुका था और समय का महत्व भी समझ आ गया। वह पछताने लगा। उसने उसी क्षण निश्चिय किया कि अब से वह कभी आलस नहीं करेगा।

जीवन में उन्नति करना चाहते हैं, तो आज का काम कल पर टालने की आदत छोड़ दें ।

समय अमूल्य है, इसे व्यर्थ ना गंवायें, क्योंकि एक बार हाथ से निकल जाने के बाद समय कभी दोबारा वापस नहीं आता ।

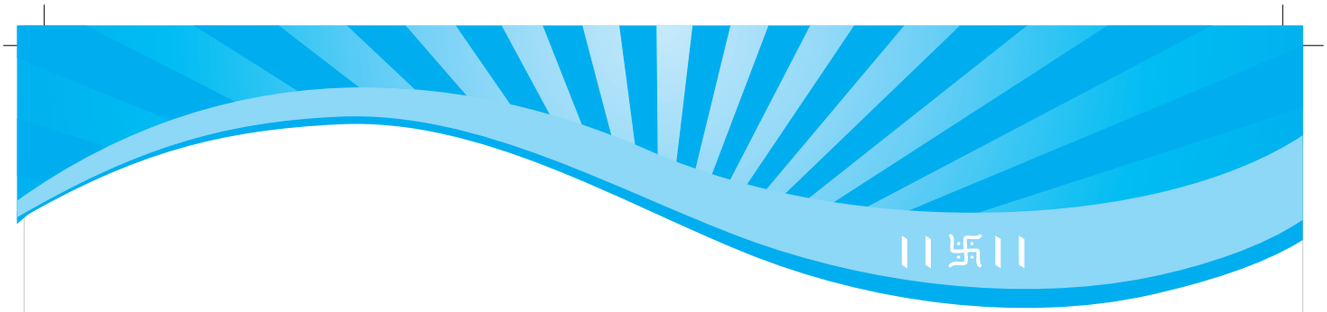

।।卐।।

समय का महत्व

यह बात उन दिनों की है जब गांधीजी साबरमती आश्रम में रहते थे। एक दिन पास के गांव के कुछ लोग बापू के पास आये और उनसे कहने लगे, बापू कल हम लोगों ने अपने गांव में एक सभा का आयोजन किया है यदि आप थोड़ा समय निकाल कर हमारे बीच आएं और हमारा मार्गदर्शन करें तो आपकी बहुत कृपा होगी।

गांधीजी ने अपने अगले दिन का प्रोग्राम देखा और गांव के लोगों से पूछा- सभा का कार्यक्रम का समय कितने बजे है। एक कार्यकर्ता ने कहा हमने चार बजे निश्चित किया है। गांधी जी ने आने की रज़ामंदी दे दी। कार्यकर्ता बोला बापू मैं एक कार्यकर्ता को आपको लेने के लिए गाड़ी लेके भेज दूंगा। ताकि आपको परेशानी ना हो, गांधी जी बोले ठीक है कल मैं निश्चित समय पर तैयार हो जाऊंगा। अगले दिन जब पौने चार बजे तक गांधीजी को लेने के लिए कोई नहीं पहुंचा तो गांधीजी चिंतित हो गए। उन्होंने सोचा अगर मैं समय से सभा में नहीं पहुंचा, तो लोग क्या कहेंगे? उनका समय व्यर्थ में ही नष्ट हो जाएगा। गांधी जी ने उपाय सोचा और उसी के अनुसार अमल किया। कुछ समय पश्चात वह कार्यकर्ता गांधी जी को लेने आश्रम पहुंचा, तो गांधीजी को आश्रम में न पाकर उसे बहुत आश्चर्य हुआ ।वह वापस लौट गया, जब वह सभा स्थल पर पहुंचा तो उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि गांधी जी भाषण दे रहे हैं और सभी लोग तन्मयता से उन्हें सुन रहे हैं। भाषण के उपरांत वह कार्यकर्ता गांधी जी से मिला और उनसे पूछने लगा मैं आपको लेने आश्रम गया था। लेकिन आप वहां नहीं मिले फिर आप यहां तक कैसे आ गए।गांधीजी ने कहा जब आप पौने चार बजे तक नहीं पहुंचे तो मुझे चिंता हुई कि मेरे कारण इतने लोगों का समय नष्ट हो सकता है। इसलिए मैंने साइकिल उठाई और तेजी से चलाते हुए यहाँ आ गया। वह कार्यकर्ता बहुत शर्मिंदा हुआ। गांधीजी ने कहा समय धन है। इसे व्यर्थ में मत गँवाओ। अब उस युवक को समय की कीमत पता चल चुकी थी ।

समय बीता जाए रे

एक किसान था । एक दिन किसान को खेत का कुछ समान लाने के लिए बाज़ार जाना पड़ा । उसने अपने नौकर से कहा की शाम होने से पहले उसे सारा अनाज एक साथ करके घर पहुंचा देना है, नहीं तो हमारा बहुत नुक्सान होगा, नौकर यही सोच रहा था, कि अगर अनाज को कल पहुंचा देंगे तो इसमें कोई बात नहीं है इससे क्या परेशानी होगी । नौकर ने ऐसा ही किया वह अनाज को घर पर नहीं लाया और रात को जब किसान घर आया तो देखा कि नौकर तो सो रहा है उसने उसे उठाया और पूछा कि आज का सारा काम हो गया है, उसने कहा कि हां, आज का सारा काम हो गया है।

पर किसान को अनाज कहीं पर भी नहीं दिख रहा था, उसने नौकर से पूछा कि अनाज कहाँ है? नौकर ने कहा कि वह तो खेत में है कल उसे घर पर ले आऊंगा, किसान में कहा कि जो काम आज होना है उसे तुम कल पर क्यों छोड़ रहे हो? तभी मौसम खराब हो गया और बहुत तेज़ हवाएं चलने लगी, जब हवा चल रही थी, उसके साथ बारिश भी अपने ज़ोरों पर थी, सारा अनाज खराब हो रहा था, हवा के साथ बारिश भी उसे बहा के ले जा रही थी, किसान की मेहनत पर पानी फिर गया था, उसने अपने नौकर को वहाँ से भगा दिया था, अगर नौकर समय पर काम कर लेता तो किसान का नुकसान नहीं होता इसलिए कहते हैं कि 'समय का महत्व' जरूर समझना चाहिए।

||नारायण नारायण||

॥ 卐 ॥

समय और जीवन

एक छोटे से शहर में रहने वाला एक समृद्ध व्यक्ति था। वह अपने पूरे जीवन को धन जमा करने में व्यस्त रखता था और २० वर्षों के भीतर, उसने पर्याप्त धन जमा कर लिया था। पूरे शहर को खरीदने के लिए उसके पास पर्याप्त पैसा था, लेकिन उसने जीवन में किसी भी व्यक्ति की मदद नहीं की। वह अपने बैंक बैलेंस के बारे में बहुत खुश रहता था और गर्व करता था। लेकिन उसने कभी भी अपने पैसे का उपयोग नहीं किया, उसने कभी भी अपनी इच्छाओं, कपड़े या भोजन पर एक पैसा खर्च करने की कोशिश नहीं की। उसने अपनी सारी ज़िंदगी धन जमा करने में बिताई। वह पैसे कमाने में इतना व्यस्त था कि उसने कभी महसूस नहीं किया कि वह अब बूढ़ा हो गया है। उसका पूरा जीवन बीत चुका है। उसने कभी भी अपने परिवार के साथ खुशी, आनंद के क्षण नहीं बिताए।

एक रात, यमराज (मृत्यु का देवता) आए।

यमराज ने कहा, – 'आपका समय खत्म हो गया है। आपको मेरे साथ चलना होगा'।

आदमी ने जवाब दिया, 'लेकिन मैंने अपना जीवन तो अभी जिया ही नहीं है। मैं काम करने में व्यस्त था। मुझे अपनी संपत्ति का उपयोग करने के लिए कुछ समय चाहिए जिसे मैंने कड़ी मेहनत के माध्यम से वर्षों में जमा किया है'। यमराज ने कहा, 'नहीं, मैं आपको और समय नहीं दे सकता। यह सीमित है और निर्दिष्ट किए गए से अधिक नहीं दिया जा सकता है'। आदमी ने कहा, 'देखो, मेरे पास बहुत धन है। मैं आपको अपनी संपत्ति का आधा हिस्सा दूंगा। क्या आप मुझे एक और साल देंगे'?

यमराज ने कहा,' नहीं, यह संभव नहीं है'।

आदमी ने कहा, 'ठीक है, मैं आपको अपनी संपत्ति का ८०% हिस्सा दूंगा। क्या आप मुझे कम से कम एक महीने का समय दे देंगे'?

यमराज ने कहा, 'नहीं'।

आदमी ने कहा, 'ठीक है, मैं आपको अपनी सारी संपत्ति दूंगा, क्या मुझे बदले में एक घंटा मिल सकता है'यमराज ने कहा, 'आप अपनी संपत्ति से समय नहीं खरीद सकते हैं'। अंत में आदमी ने कहा, 'मुझे कुछ मिनट दें, मैं एक पत्र लिखना चाहता हूं। आप इसे मेरी आखिरी इच्छा के रूप में स्वीकार कर सकते हैं'। यमराज सहमत हो गए। आदमी ने अपने शहर के लोगों को एक पत्र लिखा था। अपने पत्र में उन्होंने लिखा, 'जिस किसी को भी यह पत्र मिले इसे पढ़कर इस पत्र को दूसरों तक पहुंचा देना। मेरे पूरे जीवन के लिए, मैंने अमीर बनने के लिए कड़ी मेहनत की। आज मेरे पास धन की एक बड़ी राशि है। लेकिन आज मैं अपनी सारी संपत्ति के साथ अपने जीवन का एक घंटा भी उधार नहीं ले सका। तो मैं सभी को बताना चाहता हूं, अपने समय और जीवन का मूल्य समझें और अच्छी जगह उपयोग में लें। वर्तमान में कड़ी मेहनत करना अच्छा है, लेकिन अपने जीवन को जीना न भूलें। धन आपको जीवन में समय ख़रीद कर नहीं दे सकता है। यह आपके अतीत को भी नहीं खरीद सकता है। जो समय गुम हो गया है, वह कभी नहीं आएगा। समय कीमती है, इसे बर्बाद मत करो। जीवन भगवान का एक सुंदर उपहार है। इसे पूरी तरह से जियो और दूसरों की मदद करो।

||नारायण नारायण||

Pavaan Vani

Dear Narayan Premiyo,

|| Narayan Narayan ||

During an interview, someone asked me, 'What gives you the most satisfaction after reaching the stage where you are in life?'

"When we were young, our father always taught us to make good use of time. We used to chant Ram-Ram while doing any work, which continues till date. I saw my mother-in-law cleaning the drawers while talking to the members of the house. At times she used to even clean the clothes while conversing. Observing her, this habit got ingrained in us too.

The secret of success of achievers around the world is the maximum utilization of time. God has given equal time to everyone. Successful people manage it properly and get the best benefits. When we value time, then when we need time the most, then time values us and we wonder how our tasks are done easily for which we were thinking that it is impossible to complete it in the given time. Time is a priceless asset. It is such a wealth and asset which increases when you utilize it. If you want to be better than others, then just start using time properly. Make good use of each and every moment. I like these lines of Kabirdas ji very much, 'Kaal kare so aaj kar aaj kare so ab'. (Whatever you plan to do tomorrow, do it today and whatever you plan to do today, do it now).

This is my wish and aspiration that all of you should also implement these points in your life and stand in the ranks of successful people.

All good,

R. Modi

CO-EDITOR
Deepti Shukla 09869076902

EDITORIAL TEAM
Vidya Shastry 09821327562
Mona Rauka 09821502064

Main Office
Rajasthani Mandal Office, Basement Rajnigandha Building, Krishna Vatika Marg, Gokuldham, Goregaon (East), Mumbai - 400 063.

Editorial Office
Shreyas Bunglow No 70/74 Near Mangal Murti Hospital, Gorai link Road, Borivali (W) Mumbai -92.

Regional Office

Amravati - Tarulata Agarwal	:	9422855590
Ahmedaba - C. A. Jaiwini Shah	:	9712945552
Akola - Shobha Agarwal	:	9423102461
Agra - Anjana Mittal	:	9368028590
Baroda - Deepa Agarwal	:	9327784837
Bangalore - Shubhani Agarwal	:	9341402211
Bangalore - Kanishka Poddar	:	70455 89451
Bhilwada - Rekha Choudhary	:	8947036241
Basti - Poonam Gadia	:	9839582411
Bhandra - Geeta Sarda	:	9371323367
Banaras - Anita Bhalotia	:	9918388543
Delhi - Megha Gupta	:	9968696600
Delhi - Nisha Goyal	:	8851220632
Delhi - Minu Kaushal	:	9717650598
Dhulia - Kalpana Chourdia	:	9421822478
Dibrugadh - Nirmala Kedia	:	8454875517
Dhanbad - Vinita Dudhani	:	9431160611
Devria - Jyoti Chabria	:	7607004420
Gudgaon - Sheetal Sharma	:	9910997047
Gondia - Pooja Agarwal	:	9326811588
Gorakhpur - Savita Nalia	:	9807099210
Goa - Renu Chopra	:	9967790505
Gouhati - Sarla Lahoti	:	9435042637
Ghaziabad - Karuna Agarwal	:	9899026607
Hyderabad - Snehlata Kedia	:	9247819681
Indore - Dhanshree Shilakar	:	9324799502
Ichalkaranji - Jayprakash Goenka	:	9422043578
Jaipur - Sunita Sharma	:	9828405616
Jaipur - Priti Sharma	:	7792038373
Jalgaon - Kala Agarwal	:	9325038277
Kolkatta - Sweta Kedia	:	9831543533
Kolkatta - Sangita Chandak	:	9330701290
Khamgaon - Pradeep Garodia	:	8149738686
Kolhapur - Jayprakash Goenka	:	9422043578
Latur - Jyoti Butada	:	9657656991
Malegaon - Rekha Garaodia	:	9595659042
Malegaon - Aarti Choudhari	:	9673519641
Morbi - Kalpana Joshi	:	8469927279
Nagpur - Sudha Agarwal	:	9373101818
Navalgadh - Mamta Singodhia	:	9460844144
Nanded - Chanda Kabra	:	9422415436
Nashik - Sunita Agarwal	:	9892344435
Pune - Abha Choudhary	:	9373161261
Patna - Arvindkumar	:	9422126725
Pichhora - Smita Bhartia	:	9420068183
Raipur - Aditi Agarwal	:	7898588999
Ranchi - Anand Choudhary	:	9431115477
Ramgadh - Purvi Agrwal	:	9661515156
Surat - Ranjana Agrwal	:	9328199171
Sikar - Sarika Goyal	:	9462113527
Sikar - Sushma Agrwal	:	9320066700
Siligudi - Aakaksha Mundhda	:	9564025556
Sholapur - Suvarna Valdawa	:	9561414443
Udaipur - Gunvanti Goyal	:	9223563020
Vishakhapattanam - Manju Gupta	:	9848936660
Vijaywada - Kiran Zawar	:	9703933740
vatmal - Vandana Suchak	:	9325218899

International Office

Nepal - Richa Kedia	:	+977985-1132261
Australia - Ranjana Modi	:	+61470045681
Bangkok - Gayatri Agarwal	:	0066897604198
Canada - Pooja Anand	:	+14168547020
Dubai - Vimla Poddar	:	00971528371106
Sharjah - Shilpa Manjare	:	00971501752655
Jakarta - Apkesha Jogani	:	09324889800
London - C.A. Akshata Agarwal	:	00447828015548
Singapore - Pooja Agarwal	:	+659145 4445
America - Sneha Agarwal	:	+16147873341

Editorial

Dear readers,

| | Narayan Narayan | |

It is about those days when I was newly associated with the Narayan Reiki Satsang Parivar. Didi's younger son was getting married. The day next to the marriage day was Wednesday, which was the day of our weekly Satsang. I had thought that there would be no Satsang today because all the marriage functions will get completed in the Brahma Muhurta. I was surprised when Didi and the whole family along with the newly married couple reached the Satsang hall for Blessings at the designated time. My eyes were filled with wonder to see such a good use of time and the management too. I decided in my mind to imbibe such management and utilization of time.

All of you will also make good use of your time and make your life seven-star, with these best wishes,

Yours own,
Sandhya Gupta

To get
important message and information from NRSP Please Register yourself on 08369501979 Please Save this no. in your contact list so that you can get all official broadcast from NRSP

we are on net

narayanreikisatsangparivar@narayanreiki

Publisher **Narayan Reiki Satsang Parivar,**
Printer - **Shrirang Printers Pvt. Ltd.,** Mumbai.
Call : 022-67847777

Call of Satyug

The difference occurring when any moving element reaches from one point to another is called time. It is measured by a clock. The most valuable cycle of creation is time which keeps on taking rounds tirelessly. Time has no beginning and end. This is such a gift of creation that everyone is equally blessed with; none gets less or more, everyone has only 24 hours in a day. Time is very powerful. It can neither be extended nor created. Time is the only dimension in human life in which all people live. It affects every work that happens in our lifetime. Time does not wait for anyone. It is such a precious thing that cannot be bought even with all the wealth in the world. People who understand the importance of time reach the pinnacle of success in their lives.

According to the law of nature, every work is done on time. The sun rises at a stipulated time, the moon too rises at a stipulated time. The existence of day and night, the coming and going of the seasons, everything happens according to the time. If you make proper use of time, then you become instrumental in the progress of the society and the country along with self-progress. The role of time is very important in human life. Those people who understand the importance of time, use it correctly and keep moving on the path of progress. But on the other hand, those people who ignore the importance of time reach nowhere.

Time is an important part of our life and life cannot be imagined without time. If time stops, then this whole cycle of nature will stop. Time is the basis of life, so is a major factor leading to progress and decline. That is why the basic mantra of life is to walk hand in hand with time and understand the importance of time.

Successful people do not do different work in the world, they just do the work differently. They use every moment of their time doing important work. If you also want to become something in your life, first set your goal. And make good use of time and act accordingly. The importance of time is the same for all the living beings and humans in the whole world, because time is such a thing which once lost cannot be regained.

We all know that time is the key to success, but the success of our life depends on how we are using our time. For the proper use of time, it is necessary that proper management of time is done. Some tips to achieve it is - Simple life, High thinking The simpler our life, the more time we have.

Planning- What work we will do throughout the day? When will we do that work? How much time we will give to that work? How we will do the work, if all these things are planned before starting the day i.e., before sleeping at night, next days' time gets utilized well. If planning is done, then every single moment can be lived in the best possible manner with great ease and efficiency.

Starting the day early- We feel refreshed by getting up early in the morning. The calm atmosphere of the morning keeps your mind happy and blissful. In such a situation, the

execution of the task is done in time, and you get enough time to do other tasks. Fix the time of each work. Keep a watch with you. By working at fixed times, you can avoid the hustle and bustle of everyday life. It is also necessary to work on time because the gone time never comes back again. The Samadhan visiting hours technique given by Didi helps in proper utilization of time. Use of calendar and organizer motivates to do the work in a systematic way. Make a check list of your works and keep ticking on the works that are done and praise yourself by putting a green star on each. Delegation of responsibilities is very important for time management and optimum utilization of time.

Determining the priorities of life, planning, and setting time accordingly is the best way to make good use of time. By fixing a time for every task and making a habit of completing that task in that fixed time, we can make the most of the time. Franklin has said, "Do not waste time as time is life. Only that part of your time is yours which you make good use of." Stay away from things like mobile, Facebook, WhatsApp and things that distract your attention and mind. Avoid the habit of procrastination so that you can avoid last moment crises. Develop the habit of doing important tasks immediately. Raj Didi says that if you take care of your every minute, the hours will take care of you.

Distribute your work among colleagues and assistants. With this, you are able to perform the work better and in proper time. Keep yourself self motivated. Self motivation will keep you full of enthusiasm. You will stay away from laziness. Utilizing every moment will become the priority of your life. Follow the MISER technique suggested by motivational author Pramod Batra.

M means merge (Merge).

Any two works can be clubbed with each other. Like, if you are fond of listening to music and you also want to relax then listen to music of your choice while you relax. Hum your favorite songs. This will keep you full of enthusiasm and also save time.

I means improvement

Ask yourself how can I improve this task? How about if we adopt the concept of working from 5am to 9pm instead of 9am to 5pm. The dawn of life of successful people is longer than the average person. Rising early becomes part of their routine.

S means to make the task simple

While doing any work, first of all consider how this work can be simplified. By working on those simple methods, you can manage the time successfully.

E means Eliminating

Eliminating means - getting rid of. Throughout the day we do many things that we do not need to do; Like we organize the children's room ourselves. They don't like our arrangement and REAARANGE it again. As a result, the labor and time spent by us gets wasted and we also create ideological differences with the children. Instead, if you had asked the child to arrange his room and helped him, then your labor and time would have been saved, which you could have utilized in doing some other task.

R means reducing the activity. It means executing the work with your experience, knowledge and understanding which in turn helps in saving your time.

Review your entire day schedule at the end of the day. How many tasks did you do, in what way did you do it, how much success did you get, how much time did you utilize?

All this self analysis will give you idea about your shortcomings and your qualities. By doing this you will avoid mistakes. Avoiding mistakes means saving time and you can make good use of this remaining time in creating a new success story for achieving your goal.

Make good use of time with proper management and make your life meaningful. Do not postpone any work for tomorrow.

Friends, time is very powerful. By proper management of time, we can make our life seven-star. Time is the most invaluable wealth of life. Though time is a priceless wealth but no one can keep it because time keeps on moving at its own pace. Time does not stop for anyone, instead every person has to move with time. It is up to each individual whether he wants to move with the times or behind the times. The person who moves with time, who makes good use of time, always keep progressing in life and achieves success. But the one who does not give importance to time, one who sits idle throughout his life, his life goes in vain

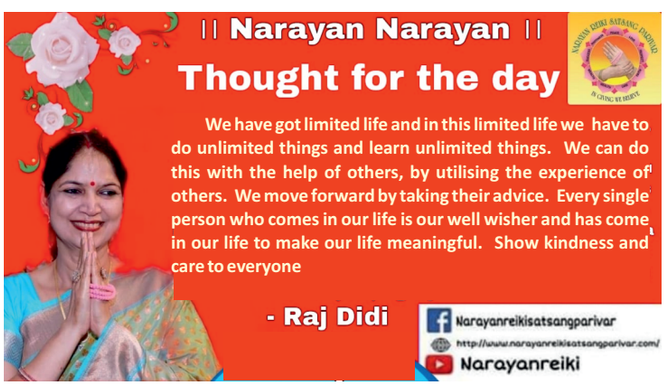

Wisdom Box
(Glimpses of Satsang)

Wisdom Box is a section of Satyug in which we convey Didi's words of wisdom to satsangis so that they can read, understand, and implement it in their lives and make their lives as well as the lives of others truly "A seven-star life'. Here are some such pearls of Wisdom: -

'Apna Haath Jagannath'

The scripture says that your hand has the energy of lord Jagannath. Narayan Shastra says that your left hand has the energy of "The Narayan," that is, the energy of Jagannath which is in a dormant state. We can awaken it by pronouncing some mantras i.e., positive affirmations. Whatever you want, use the affirmations in your thoughts, speech, behavior and fill your life with all the seven kinds of joy. **The universe contains both positive energy and negative energy. The affirmation we give attracts the same energy towards us.**

The ways to attain success and maintain it.: -

Raj Didi says that achieving success is still easy but reaching that height and staying on it is a challenge.

Raj Didi shared about a book named "Virasat". The book is about successful people like Narayana Murthy, Ajay ji Piramal, Vivek ji Kamat, P. P. Chhabria ...it has the letters written by them, which they wrote to their respective daughters. The collection of all their letters is the book, "Virasat." We can judge a person by reading his letter. In that book we get guidance to achieve success in life, reach a height and stay there. Ajay Piramal, surveyor of Piramal Group writes, there was a time when he did not have any money, he had many types of loans and at the same time he was surrounded by many problems from all sides. Today Ajay's name is in the list of rich Indians of year 2016, he was at 42nd pedestal. In some selected letters written by him, he writes to his daughter, 'What we call unfavorable time, bad time, it is temporary. It comes and goes, and life goes back to its normal course. Ajay ji Piramal further writes that in those days he learned - **to love people without any desire, to love selflessly, the way a mother loves her children**. Ajay ji further writes to his daughter**, express gratitude for whatever God has given,** he believes in expressing gratitude. A person who shows gratitude is always happy. Ajay ji further says that the time when he started climbing ladder of success money and respect started pouring in his life. At that time, he had decided his life's priority. First is his family, then is his health and then is his work. Ajay ji is still following that. He never used to party till late at night, He used to spend whatever time he got with his family. Today, when he looks back, he feels that the time he spent with his family was the golden period of his life. Just as he had set the priority of his life, in the same way he made the principles of his business that he would do only those things, so that his children could be proud of him." Ajay ji further writes that there are the people of the underworld. They are dons, mafia, they have lot of money, lot of power but their kids can never be proud of them.

Healing with the Halu Symbol: -

The Halu symbol is used for physical and mental healing. Didi said- Make Halu symbol and pray, ' He Narayan, I pray to you that the Halu symbol removes negativity, our negative emotions like anger, envy, malice, revenge etc. In future these things become the cause of diseases. While sleeping at night, we have to make Halu symbol with our right hand on the left palm. Join both the hands and say 'Narayan Narayan 'so that the energy of the Halu symbol gets activated in both the hands. We must keep the left hand on the heart chakra where all the emotions are contained and the other hand just below it on the solar plexus where all the organs are connected so that the body can be cleansed. We must do this process while lying on the bed. We have to say this, 'Hey, Narayan, I request you that the Halu symbol absorbs the negativity of the mind and our body. Whatever feeling of jealousy, hatred we have towards anyone, the Halu symbol collects them within itself. All the negative thoughts and negative emotions in our mind are removed with the help of left-hand energy, and our body will be purified with the energy of right hand. When we give positive messages while sleeping, every cell in our body repeats the same message. Our body must accept that message and overnight the Halu symbol absorbs our inner anger, jealousy, malice within itself. All the negativity is annihilated, and we wake up fresh in the morning. We must do this process daily while sleeping so that all the negativity of the day is removed.

Rajdidi guided Satsangis for meditation

Didi said the positive energy in the universe in the form of humility goodness, compassion, kindness should be accumulated by chanting Ram-Ram twenty-one. Our left hand will remain still and with the right hand we will collect all the positive energy of the universe. Whenever we chant Ram-Ram only positive energy comes near us.

And the negative energy automatically moves back. Imagine

you have a pitcher in your hands full of positive energy, full of humility, compassion, full of positivity, keep it on your head. Feel now that the good energy of compassion and all the positive energy in the universe is entering you through your Crown Chakra. Take three deep breaths, rub both hands together and put your hands to any part of the body where there is pain and open your eyes with a smile.

You must do this meditation every day at home with Ram Ram 108.

Many times, we try to keep our voice sweet with everyone. But sometimes in the organization, at home, an employee does not do his work properly, then our **voice becomes loud, and we start speaking loudly. How do we control it...??**

Rajdidi said, visualize that person for ten minutes before going to sleep at night, that person is behaving the way you want. One of the major reasons for the non-performance

of an employee is that we directly blame him. Many times, our negativity blocks that work and we blame others. Rajdidi questions that- Can we get the work done by shouting...?? Even if that person does, he does so out of fear. At that time only negativity comes out of his mind for us. Our new karma is bound by the shouting. Rajdidi said make good use of your speech. We should change our thinking; we must change this mentality that the helper or the employee of the organization does not work without shouting. Try speaking softly sometimes, try speaking with love, even then if he is not working, then try to know the reason for it.

Raj Didi suggested to visualize that person for ten minutes before sleeping at night and send appreciation, send positive vibrations- "You are very sincere, responsible, you work efficiently.". Keep restraint on your speech, send positive affirmations and you will find that the next time you treat him with the same love, he will do your work before time. If your volume is not loud it means Love, Respect, Faith, Care (LRFC) will be in the environment.

What should we do to maintain our peace of mind if someone is misbehaving with us?

Rajdidi said that if someone misbehaves with us, it is the result of our deeds, he is just a medium. We enjoy or suffer, not because of someone; it is only a medium. As soon as we became aware that this was the result of our deeds. We do not want to misbehave with that person, and we also want peace of mind. We easily sit discussing with the family members that he behaved like this with me. The way we expect good behavior from them, we should send positive affirmation to that person. The universe says, nature says,' whatever you want, I bring it to you'. It is true that their behavior is wrong, but you should give positive affirmations so that the behavior of the other person becomes filled with Love, Respect, Faith, Care. keep repeating in your mind that he is very loving, caring, humble. There will be a change in his behavior immediately. These vibrations are happening within you, yet your inner positivity will be reflected on the other person. If you say that their behavior has always been like this, then changes will never be seen in them.

The universe says- "What you want, I will give.." You tell your wish to the universe so that it can arrange for you what you need. You will have to give positive affirmations until you see the desired change. Rajdidi explained through an example that if a valuable glass item breaks from our hands, we quickly say that it was broken by mistake. In the same way, if a valuable item is broken by a helper, we cannot forgive him. We should forgive him too.

Sometimes we lie for some work and then we realize and regret that what should we do so that we do not lie, and we do not have to repent later...??

Raj Didi said that the message we give while sleeping at night, our subconscious mind works on this message for 6 to 7 hours. Before sleeping at night, remember the scene when

you lied to hide yours or someone else's mistake. Say, -"Last time I lied, I regret it, now I will not do it again. I should have told the truth instead of the lie, if I had spoken the truth, I would not have regretted." By doing this, if such an incident ever comes again in your life, you will never lie, you will speak the truth. This is your commitment to the universe. You have to suffer very little for the lies you have told, and you get a huge discount from the universe. When such an incident comes again, the subconscious mind will guide you that you have to speak the truth and your focus will always be on telling the truth.

Raj Didi asked everyone to close their eyes slowly and remember those who play the role of a ladder for us, encourage us, boost our confidence to move forward in life. Whenever our confidence starts to waver. Such people surround us. Madhav says that there are people in our lives who play the role of snakes. Such people shake our self-confidence. Sometimes by taunting and sometimes by saying something like for example, 'When we were of your age, we did not do such work, what do you think, this idea of yours will work...?? Do not be too smart? Do not be overconfident? People like you are the ones who lose out in the end". There are people in our lives who make such criticisms and comments, who weaken our enthusiasm and confidence.

Rajdidi asked everyone to close their eyes slowly and meditate on those people who have played the role of a ladder in their lives. Mother, father, brother, sister, neighbor, friend, relative, helper. Didi asked satsangis to **thank everyone.** When you feel you have thanked everyone, take a deep breath and after a few moments meditate on those people who have played the role of snakes in your life. Rajdidi said that do not bring any kind of negative feeling towards them in your mind. Many times, it happens that some people taunt, so that you get provoked a little, you feel bad, and you take that as a challenge and move on. History is full of such stories, where people **instead of considering those taunts as a snake, considered them as a ladder,** took them as a challenge and moved forward. Today they are living a successful life. Thank them too, Narayan's blessings are with them too and thank them with great love. When you feel you have expressed gratitude to everyone, take a deep breath and open your eyes with a smile.

Raj Didi says that now we must think- In how many lives, we play the role of a ladder? Are there any people around us who can say that you have played the role of a ladder in their life? Raj Didi said that we are NRSP, we should keep trying, and we have to do it. Sometimes a few good words are enough to encourage someone- 'Yes you can do it, Yes you can do." Just saying this much encourages them. Madhav says that we take many resolutions to improve our lives. We take a pledge to exercise to maintain our weight. Along with this, let us also take a resolution that throughout the day we should encourage at least one person and work as a ladder in someone's life.

||नारायण नारायण||

Youth Desk

Time is precious, invest it wisely!

Successful people use their time in a wise manner, unlike the mediocre people who squander it away on a daily basis." ~ ATGW

The key to success lies in proper utilization of time. The wise know that each passing second is irreversible hence they make the best use of the time. Raj Didi too in one of the talks emphasized that each moment carries within itself amazing opportunities. It is a treasure freely available to all of us but **only a few know how to do its optimum utilization and reap the benefits.**

You can buy objects, hang out with friends, wear choice clothes or achieve materialistic goals but time is one thing which you cannot buy. The present moment is only yours.

Time is priceless. You have probably heard the saying that "**The best things in life are for free"**. Same goes with time- it is the best gift that life has to offer us. You cannot put a monetary value to time. You cannot redeem it with any form of money or property. If that were the case, then many wealthy men would have traded their billions of dollars to enjoy more time on this lovely earth.

The children and youth hold immense potential within themselves.

Time management can be very useful in a student's hectic schedule. It ensures that students are well prepared, organized and focused to manage their daily lives and complete academic assignments on time. It can lead to improved success; however, this is a skill that students must learn and practice.

Effective time management skills can have a positive impact on your work and life in general. When you learn to take control of your time on a daily basis, you improve your ability to get things done, make better decisions and most importantly, gain ultimate control of your key priorities.

"**Time stands still for no man"?** Well, it is as clear as that. Time is always in motion. It does not stop for no one, rich or poor, famous, or ordinary, Muslim, or Christian, man or woman. **Each person is given 24 hours a day to either utilize it or waste it away.** Time waits for nobody, but it gives us equal duration to follow our dreams or waste them. Since it cannot be contained, we are only gifted with the power of memory to capture all the great moments that made our lives worthwhile.

Once you start harnessing the power of every minute, your hours will automatically become fruitful, and life will truly become meaningful.

Children's Desk

Just imagine you are given Rs 84600/- every day by your father, the condition being you will spend it on that day, no carry forwards, what will you do. You will use it to buy yourself what you want, fashion accessories, books, study materials, you will use it to treat friends etc. Still if some amt is left you will only regret. Nature gives you 84600 seconds every day - utilize it or regret; choice is ours.

There was this kingdom which had a rule that the king would rule for 5 years and then as a rule would retire to the forest land attached to the kingdom. This forest land was filled with dense forest and dangerous animals and survival was a thing to reckon. So, there were no takers for the position of king. A poor person from another kingdom came along and his only condition was that he wanted to see the forestland once before he became the king. That was agreed upon by the subjects. The next 5 years he worked on the forestland and made it livable.

This time management story is inspirational for those who are toiling in the present to get a better lifestyle for the future. If we design a plan with time management skills, then definitely, nobody can stop us from achieving success in life.

But we need to remember success is not everything!

To ensure that success is constant in our life we need to make our life meaningful too. When we add purpose to success them life becomes meaningful. I am a successful doctor and earn in millions but at the same time i treat needy patients charitably then I make my life Meaningful. But here again we need to ensure that right time, for the right project. When we are thirsty if lavish spread is placed in front of us, we will be unable to enjoy. **Similarly, doing the right work at the right time brings best results.**

Time is very precious and once gone we cannot get it back. We can only move ahead learning from our past mistakes and ensuring a successful present and designing a meaningful tomorrow. **Utilize time wisely.**

Narayan divine blessings with Narayan Shakti to Ranjita Malpani
Earning Jackpot amount in multiples of Rs. 56 crore from tution classes and investments in stock market

Under The Guidance of Rajdidi

The topic in this issue of Satyug- **Utilize time**- is very close to the heart of Rajdidi. Didi moulds her sadhikas to do optimum utilization of time, thus setting role models for her satsangis.

Some sharing's of timely payers bringing jackpot results: -

Jackpot sharing – (RamRam writing booklet)

Few days back, my mother got a paralytic attack, wherein she had to be admitted to hospital. We family members made it a practice to write in Ram–Ram writing booklet sitting beside her and later, kept that booklet beneath her pillow. Miraculously, she recovered quickly and got discharged from hospital. When families of the admitted persons saw this, they asked us what we did? We gave them too, the Ram–Ram writing booklet. Thank you, Didi, for this beautiful gift.

Thought of myself as Smart by being straight forward

Didi, though it was my love marriage, but in the real sense, you are the one who introduced me to my husband. From the beginning, I complained to my husband about not speaking in front of the elders. He never used to take a stand for me. I had a tense relationship with my elder sister-in-law, but my husband always maintained his respect towards the elders. While I considered myself as much smarter than him, that is how easily I can convey to others without hurting them. But my words used to hurt everyone. As a result, slowly and gradually, all my relationships got strained. I faced a condition with my throat where the doctor advised me not to speak much otherwise, I would have to undergo a major surgery of my throat. In the meanwhile, I started following your Satsang and realized by the sharing done by others that it is my mistake which I considered as my smartness. And my husband's quality, which I consider his biggest flaw, is the right way of living a meaningful life. As I started following your every teaching, I am now living a seven-star life and my throat is also completely cured now without any surgery or medicines. I can loudly chant Ram–Ram 108 without any trouble. Had I not met you, I don't know how much karma I would have collected for myself, and I would have continued to prove my rightful husband wrong. Many Many thanks to you Didi.

Dr Pandey: -My husband brought home, children of my elder brother–in–law for educational purposes. I didn't like that, and I used to oppose him. One of those two became CA and went to other city for job. My husband brought the second child of brother–in–law, saying that he will help that kid in becoming CA. But I cursed him in my

heart all the time. That kid made 3–4 unsuccessful attempts for CA. Later my husband helped him get a job in a good firm.

But, because of my behavior, I have realized that my own son tried 3–4 times but is unable to clear CA exams.

Jackpot– As I joined you, I shifted from 1bhk flat to a 4bhk flat.

Didi– What did you practice that you attracted prosperity?

Satsangi– As and when I would upgrade my phone, I would give my old phone to people in my family so that they can also listen to your Satsang. Also, if their family members do not recharge the internet data in their phones, I used to get that done by asking my husband, so that they do not miss your Satsang.

Didi– As you had connected many people with Satsang, that is the reason why you've attracted prosperity.

It was the divine grace of Narayan that the husband thought of bringing home his elder brother's kids for education. The wife was unhappy and created tense situation at home. As a result, her own son is not able to clear CA exams. Her aspiration was, help them financially but not bring them home. As a result, son is able to at least clear the law exams.

If your relative, your sister–in– laws or your brother– in– law's child comes to stay with you in your house, then understand that there must be some situation because of which they are compelled to stay in your house. It is your duty to welcome and accept them wholeheartedly. Be assured that as much their food is written in their fate, they will have. You keep thinking that Narayan has come in our home and now we will have prosperity and happiness. The thought with which you will keep him/ her in your home, you will attract similar things for your home. Similar things will keep coming to you. Its positive impact will be seen in your kids too.

Narayan divine blessings to Ayodhyadevi Malpani for peace of mind, Good Health and a seven star life

Narayan divine blessings with Narayan shakti to Santosh Ladha & Laxmikant Ladha on their Marriage Anniversary 23rd May for years of togetherness, harmony, happiness and a seven star life.

Time-An invaluable wealth

A wise saint lived in an ashram situated in the forest. Students used to come to him from far and wide in the search of knowledge and used to gain education by staying in his presence in the ashram. One of the students who lived in the in ashram for gaining knowledge was very lazy. He had the bad habit of wasting time and postponing today's work for tomorrow. The sadhu had knowledge of this. That's why he wanted that student to leave laziness and understand the importance of time before leaving the ashram after completing his education.

For this purpose, one day in the evening, he called that lazy student to him and gave him a stone and said, "Son! This is not an ordinary stone, but a Paras stone. Whatever iron object it touches, it becomes gold. I am very pleased with you. That's why I am giving you this Paras stone for two days. In these two days I will not stay in the ashram, I am going to the house of a friend of mine who lives in the neighboring village. When I come back, I will take this Paras stone from you.

Before that, make as much gold as you want. Giving the Paras stone to the student, the sage went to his friend's village. Here the student was very happy to see the Paras stone in his hand. He thought that by this I would make so much gold that I would not need to work for the rest of my life, and I would be able to live my life happily. He had two days. He thought that there were still two full days left, so that I could take rest for a day.

Next whole day I will keep making gold. In this way he spent a day resting. When the second day came, he thought that today he would go to the market and bring a lot of iron and touch it with the philosopher's stone and turn it into gold. But this work will not take much time. That's why I eat a full meal first. Then I will start making gold. As soon as he had a full meal, he started feeling sleepy. In such a situation, he thought that I still have time till evening. I sleep for a while, after waking up, I will do the work of making gold. Then what? He fell into a deep sleep. When he woke up, the sun had set, and two days had passed. The sage had returned to the ashram and was standing in front of him.

The sage said, "Son! Two days are complete with the sunset. You give me back that Paras stone.

What would the student do? Due to laziness, he had wasted precious time and an opportunity to earn money. He had realized his mistake and understood the importance of time. He started repenting. He decided at that very moment that from now on he would never be lazy.

If you want to progress in life, then leave the habit of postponing today's work for tomorrow.

Time is priceless, don't waste it, because once lost, time never comes back.

||नारायण नारायण||

Importance of time

This is about those days when Gandhiji lived in the Sabarmati Ashram. One day some people from the nearby village came to Bapu and said to him, “Bapu, tomorrow we have organized a meeting in our village, if you spare some time to come amongst us and guide us, it will be very kind of you.”

Gandhiji saw his next day’s program and asked the people of the village – “What time is the meeting.” A worker said that we have fixed it at four o’clock. Gandhiji gave his consent to come. The worker said,” Bapu, I will send a worker with a car to pick you up. So that you don’t have any trouble.” Gandhi ji said, “Okay, tomorrow I will be ready at a fixed time.” The next day, when no one reached to pick up Gandhiji till quarter past four, Gandhiji got worried. He thought what people would say if I didn’t reach the meeting on time? Their time will be wasted in vain. Gandhiji thought of a solution and acted accordingly.

After some time, the worker reached the ashram to receive Gandhiji, he was very surprised not to find Gandhiji in the ashram. He returned, when he reached the venue, he was surprised to see Gandhiji giving a speech and people listening to him with rapt attention. After the speech, that worker met Gandhiji and told him- I had gone to the ashram to pick you up but you were not there, then how did you come here. Gandhiji said when you did not reach till quarter to four, I was worried as because of me the time of so many people could be wasted.

That’s why I picked up the bicycle and rode fast and came here. That worker was very embarrassed. **Gandhiji said time is money**. Don’t waste it. Now that young man had come to know the value of time.

Time will pass

There was a farmer. One day the farmer had to go to the market to get some farm produce. He told his servant that before the evening, he must collect all the grains and send it to the house, otherwise they may suffer a loss. The servant was thinking that if the grains are delivered tomorrow also then there would not be any problem. The servant did accordingly, he did not send the grains home and when the farmer came home at night, he saw that the servant was sleeping, he woke him up and asked if all the work for the day was done, he said yes, all the work was done.

But the farmer could not see the grain anywhere and he asked the servant,” where is the grain? The servant said that it is in the field tomorrow, I will bring it to the house. The farmer said that the work which must be done today, why are you doing it tomorrow?

When you were leaving, then the weather turned bad and very strong winds started blowing, when the wind was blowing, the rain too started pouring. All the grains got spoiled. Along with the wind, the rain was also carrying it away. The farmer's hard work had gone to waste. He drove away his servant. If the servant had done the work in time, the farmer would not have been harmed, that's why it is said that the "Importance of time" must be understood.

Time and life

There was a rich man living in a small town. He was busy accumulating money all his life and within 20 years, he had accumulated enough money. He had enough money to buy a whole town, but he didn't help anybody in the entire life. He was very happy and full of pride regarding his bank balance. But he never used his money, nor did he spend a single penny on his desires, clothes, or food. He spent his whole life in accumulating wealth. He was so busy in earning money that he never realized that he was old now. His whole life had passed. He never enjoyed, celebrated, and spent happy moments with this family.

One night, Yam raj (the god of death) came.

Yam raj said, - ' Your time is over. You must walk with me'.

The man replied, 'But I haven't lived my life yet. I was busy working. I need some time to utilize my wealth which I have accumulated over the years through hard work'. Yam raj said, 'No, I cannot give you more time. It is limited and cannot be given more than what is specified'. The man said, 'Look, I have a lot of money. I'll give you half of my property. Will you give me one more year'?

Yamraj said, 'No, it is not possible'.

The man said, 'Okay, I will give you 80% of my property. Will you give me at least one month'?

Yamraj said, 'No'.

The man said, 'Okay, I'll give you all my wealth, can I have an hour in return' Yamraj said, 'You can't buy time with your wealth'. Finally, the man said, 'Give me a few minutes, I want to write a letter. You may accept this as my last wish'. Yamraj agreed. The man wrote a letter to the people of his town. In his letter, he wrote, 'Whoever gets this letter, read it and pass this letter on to others. For my entire life, I worked hard to become rich. Today I have a huge amount of money. But today I could not borrow even an hour of my life with all my wealth. So, I want to tell everyone. Understand the value of your time and life and use it well. It is good to work hard in the present, but don't forget to live your life. Money can't buy you time in life. It also can't buy your past. **The time that is lost will never come. Time is precious, don't waste it**. Life is a beautiful gift of God. Live it to the fullest and help others.

GOLDEN SIX

1) Prayer -Thank you Narayan for always being with us because of which today is the best day of our life filled with abundance of love, respect, faith care, appreciation, good news and jackpots . Thank you Narayan, for blessing us with infinite peace and energy. Narayan, Thank you for blessing us with abundant wealth which we utilize. We are lucky and blessed. With your blessings, Narayan, every person, place, thing, situation, circumstances, environment, wealth, time, transport, horoscope and everything associated with us is favourable to us. We are lucky and blessed .Thank you Narayan for granting us the boon of lifelong good health because of which we are absolutely healthy. Thank you Narayan with your blessings we are peaceful and joyous, we are positive in thoughts, words and deeds and we are successful in all spheres of life. Narayan dhanyawad.

2) Energize Vaults - Visualize a rectangular drawer in which you store your money. Visualize Rs 2000 notes stacked in a row, followed by Rs 500/- , Rs100/- , Rs 50/-, Rs20/- Rs10/- and a silver bowl with various denomination of coins. Now address the locker 'You are lucky, the wealth kept in you prospers day by day.' Request the notes "Whenever you go to somebody fulfill their requirements, bring prosperity to them and come back to me in multiples." Now say the Narayan mantra, "I love you, I like you, I respect you, Narayan Bless you" and chant Ram Ram 56

3) Shanti Kalash Meditation – Visualize a Shanti Kalash (Peace Pot) above your crown chakra. Chant the mantra" Thank You Narayan, with your blessing I am filled with infinite peace, infinite peace, infinite peace. Repeat this mantra 14 times."

4) Value Addition - Add value to cash and kind (even food items) you give to others by saying Narayan Narayan or by saying the Narayan mantra.

5) Energize Dining Table/ Office table - Visualize the dining table/ office table and energize it with Shanti symbol, LRFC Carpet, Cho Ku Rei and Lucky symbol. Give the message that all that is kept on the table turns into Sanjeevini.

6) Sun Rays Meditation - Visualize that the sun rays entering your house is bringing happiness, peace, prosperity, growth, joy, bliss, enthusiasm and health sanjeevini. Also visualize your wishes materializing. This process has to be visualized for 5 minutes.

Finest Pure Veg Hotels & Resorts

The Byke

A HOTEL RETREAT

EAT GREEN • STAY EVERGREEN

Our Hotels : Matheran | Goa | Manali | Jaipur | Thane | Puri | UPCOMING BORIVALI (Mumbai)

THE BYKE HOSPITALITY LIMITED

Shree Shakambhari Corporate Park,Plot No.156-158,

Chakravati Ashok Complex, J.B.Nagar, Andheri (East), Mumbai - 400099.

T.: +91 22 67079666 | E.: sales@thebyke.com | W.: www.thebyke.com